epaper.dehatsandesh.com

3 जिला एनसीओआरडी बैठक में नशा विरोधी उपायों पर हुई चर्चा

5 स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार

8 रजनीगंधा की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 28

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-182 | जम्मू तवी, वीरवार 24 जुलाई, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू में अचानक बाढ़ का कहर;राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध, 3 लोग बचाए गए

आशु कुमार

जम्मू, 23 जुलाई। लगातार तीसरे दिन हुई भारी बारिश के कारण जम्मू क्षेत्र में व्यापक रूप से नुकसान हुआ है, जिससे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-44) अवरुद्ध हो गया और सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं, जिनमें अमरनाथ तीर्थयात्री भी शामिल हैं। रामबन जिले में माधेरकोट टनल के पास एक बड़ी मडस्लाइड ने कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली इस एकमात्र सम-वर्षा मार्ग पर यातायात को रोक दिया। एक अन्य भूस्खलन से सेरी में भी मार्ग अवरुद्ध हो गया। यातायात विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों स्थानों पर मलबा हटाने के लिए कर्मचारी और मशीनरी तैनात की गई है। हालांकि, अधिकारियों ने यात्रीयों से सलाह दी है कि मौसम में सुधार होने और मार्ग खुलने तक यात्रा से बचें।

अचानक बाढ़ ने अन्य मार्गों को भी प्रभावित किया। किश्तवार-सिंथन सड़क सिंथन नल्ला में बहने के कारण बंद हो गई। राजौरी, पुंछ, रियासी, उधमपुर, डोडा और रामबन जिलों में कई लिंक मार्गों में भूस्खलन हुआ, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में यातायात प्रभावित हो गया। इस बीच, बचाव दल ने बाढ़ से संबंधित अलग-

अलग घटनाओं में तीन लोगों को सुरक्षित बचाया। सांबा जिले में दो लोग ट्रैक्टर पर बासंता नदी को पार करने का प्रयास कर रहे थे, जिन्हें एनडीआरएफ ने एक घंटे के बचाव अभियान के बाद सुरक्षित बचाया। राजौरी में, एक नौ साल का बच्चा जो मवेशी चराने के लिए गया था, बढ़ते पानी के स्तर के कारण बाढ़ में फंस गया था। सेना, एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तीन घंटे तक चलने वाले अभियान के बाद हेलीकॉप्टर का उपयोग करके बच्चे को सुरक्षित निकाला। स्थानीय लोगों ने सेना के समय पर किए गए हस्तक्षेप की सराहना की।

▶▶राजौरी जिले में लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण भूस्खलन, मकान क्षतिग्रस्त और सड़कें हुईं अवरुद्ध

माहौर में शिव गुफा के पास भूस्खलन, दो युवकों की मौत

जम्मू, 03 जुलाई। रियासी जिले के माहौर के बदोरा इलाके में बीती देर रात को प्रतिष्ठित शिव गुफा के पास भूस्खलन में दो युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि युवक गुफा स्थल के पास एक तंबू में सो रहे थे, तभी पास के एक पहाड़ से मलबा अचानक नीचे गिरा और तंबू उसके भार से दब गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रशपाल सिंह (26) पुत्र सोबा राम निवासी तुली कलावन तहसील चसाना जिला रियासी और रवि कुमार (23) पुत्र पुरुषोत्तम कुमार निवासी चेनानी जिला उधमपुर के रूप में हुई है

संसद में हंगामा जारी, लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित

नई दिल्ली, 23 जुलाई।। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को गुरुवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। दोनों सदनों में हंगामे के कारण बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित हुई और इसे कई बार स्थगित करना पड़ा। दोपहर 2 बजे जब दोनों सदनों की कार्यवाही एक बार फिर से शुरू हुई, तो भी सदन में नारेबाजी जारी रही। इसके चलते लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला बुधवार को सदन में विपक्ष के हंगामे को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेताते हुए कहा कि आप संसद में भी सड़क जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में तख्तियां दिखाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध सुबह 11 बजे संसद की कार्यवाही शुरू होने पर भी जारी रहा। विपक्षी सांसद पोस्टर-तख्तियां लेकर लोकसभा में वेल के अंदर पहुंचे और हंगामा करने लगे। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराजगी व्यक्त की और उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 卐मैं फिर कहना चाहता हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी।卐प्रश्नकाल के दौरान शुरुआती कुछ मिनट में

रेलवे से जुड़े विषय पर सवाल-जवाब हुए। हालांकि, इस बीच हंगामा नहीं रुकने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला विपक्ष पर भड़क गए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, 卐संसद हमारी गौरवशाली लोकतंत्र की संस्था है। सभी से आग्रह है कि संसद परिसर के अंदर व्यवहार, आचरण और कार्य पद्धति मर्यादित होनी चाहिए। देश की जनता ने आपको उनकी आवाज, समस्याओं, देश के मुद्दों और नीतियों पर चर्चा के लिए भेजा है। आप सड़क जैसा व्यवहार संसद में कर रहे हैं। इसका पूरा देश देख रहा है।卐ओम बिरला ने विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं से भी कहा कि आपके नेताओं के व्यवहार को देश देख रहा है।

राज्यसभा में हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सदन में विचार तथा पारण के लिए समुद्र द्वारा माल वहन विधेयक 2025 पेश किया। इस दौरान सदन में विपक्ष के सांसद नारेबाजी करते नजर आए। विपक्षी सांसद बिहार में मतदाता सूची में रिव्यू का मुद्दा उठा रहे थे।

खबर संक्षेप

हथियारों और गोला-बारूद के साथ तीन आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार

बांदीपोरा, 23 जुलाई। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा ज़िले के चिट्टी-बांदी इलाके में नाका जाँच अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने संदिग्धों को रोका और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक उनकी पहचान और संबद्धता सहित अन्य जानकारी का इंतज़ार किया जा रहा था और जाँच के दौरान मामला दर्ज कर लिया गया है।

अगले 48 घंटों में जम्मू संभाग में भारी बारिश की संभावना

श्रीनगर, 23 जुलाई । मौसम विभाग ने बुधवार को कहा कि अगले 48 घंटों में जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। साथ ही कुछ जगहों पर खासकर जम्मू संभाग में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने कहा कि 23-24 जुलाई को पुंछ, राजौरी, रामबन, रियासी, उधमपुर, जम्मू और कठुआ सहित कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कश्मीर संभाग के कुछ इलाकों में मध्यम से तीव्र बारिश भी हो सकती है। 25-27 जुलाई तक मौसम गर्म और उमस भरा रहने की उम्मीद है और कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है।

गलवान झड़प के 5 साल बाद भारत चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीज़ा जारी करना फिर से शुरू करेगा

बीजिंग, ,23 जुलाई एक बड़े घटनाक्रम में, भारत 24 जुलाई से चीनी नागरिकों को पर्यटक वीज़ा जारी करना फिर से शुरू करेगा

2020 के गलवान झड़पों के बाद से पाँच वर्षों में पहली बार, बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को घोषणा की। यह कदम संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि पूर्वी लद्दाख में घातक सीमा झड़पों और उसके बाद गतिरोध के बाद पर्यटक वीज़ा निलंबित कर दिए गए थे। इस साल की शुरुआत में, दोनों देशों ने सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, वीज़ा जारी करने और भारतीय तीर्थयात्रियों को कैलाश मानसरोवर यात्रा करने की अनुमति देने पर सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की थी, जो भारत/ चीन संबंधों में एक सतर्क नरमी का संकेत था। यह घोषणा भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बीजिंग की दो दिवसीय यात्रा के बाद हुई, जो दोनों एशियाई शक्तियों के बीच नए सिरे से राजनयिक जुड़ाव को दर्शाती है।

पीएम मोदी ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा पर रवाना, ठोस परिणामों की उम्मीद

नई दिल्ली, 23 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ब्रिटेन (यूके) और मालदीव की द्विपक्षीय यात्रा पर रवाना हुए। उन्होंने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करेगी और इसके ठोस परिणाम सामने आएंगे। प्रधानमंत्री की ब्रिटेन यात्रा 23-24 जुलाई के बीच होगी, जो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर हो रही है। यह पीएम मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा है। यात्रा से पहले जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 卐भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जिसने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारा सहयोग व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, सतत विकास, स्वास्थ्य और लोगों से लोगों के संबंधों जैसे

कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।卐 उन्होंने बताया कि वह प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा होगी, ताकि समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि वह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री 25-26 जुलाई को मालदीव की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर हो रही है। यह प्रधानमंत्री मोदी की मालदीव की तीसरी यात्रा है और राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यकाल में किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी।

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू, चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली, 23 जुलाई । जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद अब उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को जारी अपने राजपत्र (गजट) के माध्यम से धनखड़ के इस्तीफे को अधिसूचित किया। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव आयोजित कराने का अधिकार प्राप्त है। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के अंतर्गत संपन्न कराया जाता है। निर्वाचन आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण होते ही चुनाव कार्यक्रम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पूर्व मुख्य गतिविधियां इस प्रकार होती हैं, निर्वाचक मंडल की तैयारी, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के निर्वाचित व मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति होती है। अब तक हुए सभी उपराष्ट्रपति चुनावों की पृष्ठभूमि संबंधी जानकारी का संकलन व प्रचार-प्रसार होता है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में सार्वजनिक सेवा गारंटी अधिनियम के महत्व को रेखांकित किया

श्रीनगर, 23 जुलाई । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को लोक सेवा गारंटी अधिनियम (पीएसजीए) के कार्यान्वयन की स्थिति का आकलन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को समय पर जवाबदेह और पारदर्शी तरीके से प्रदान करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने नागरिक केंद्रित शासन की आधारशिला के रूप में पीएसजीए के महत्व को रेखांकित किया।

बैठक के दौरान उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह अधिनियम केवल एक नीतिगत ढांचा नहीं है, बल्कि लोगों के लिए एक कानूनी आश्वासन है कि उनकी बुनियादी सेवा ज़रूरतें पानी और बिजली से लेकर प्रमाणपत्र और मंजूरी तक निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी होनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों को इधर-उधर भागने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। शासन का मापदंड यह होना चाहिए कि वह नागरिकों की ज़रूरतों पर कितनी तेज़ी और पारदर्शिता से प्रतिक्रिया देता है। उन्होंने दोहराया कि उनका प्रशासन हर स्तर पर सार्वजनिक जवाबदेही के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने पीएसजीए के तहत मौजूद शिकायत निवारण तंत्र की भी समीक्षा की और सभी विभागों से मासिक अनुपालन रिपोर्ट मांगी। प्रशासनिक ज़िम्मेदारी की संस्कृति का आह्वान करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि एक उत्तरदायी और ज़िम्मेदार सरकार सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास की नींव है। हम सेवा वितरण में लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को सभी विभागों में सेवा वितरण के प्रदर्शन की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया।

तीर्थयात्रियों का अब तक का सबसे छोटा जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, 23 जुलाई । कड़ी सुरक्षा के बीच 2,837 तीर्थयात्रियों का एक छोटा जत्था बुधवार को जम्मू से बाबा बर्फानी के लिए रवाना हुआ। 3 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अमरनाथ के लिए रवाना होने वाला अब तक का सबसे छोटा जत्था है।

श्राइन बोर्ड के मुताबिक अब तक तीन लाख से ज़्यादा तीर्थयात्री 3,880 मीटर ऊंचे अमरनाथ मंदिर में प्राकृतिक रूप से बने हिमलिंग के दर्शन कर चुके हैं। 38 दिनों की यह तीर्थयात्रा 3 जुलाई को घाटी से शुरू हुई थी। बुधवार को 2,286 पुरुषों और आठ बच्चों सहित 2,837 तीर्थयात्रियों का 21वां जत्था 128 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर स्थित दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2 जुलाई को पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाई थी, जिसके बाद से अब तक कुल 1,30,378 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। पिछले साल 5.10 लाख से ज़्यादा तीर्थयात्रियों ने इस पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

न्यायमूर्ति वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई से मुख्य न्यायाधीश गवई ने स्वयं को अलग किया

नयी दिल्ली, 23 जुलाई । उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका पर होने वाली सुनवाई से स्वयं को बुधवार को अलग कर लिया।

न्यायमूर्ति वर्मा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर रहने के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के अपने सरकारी आवास से कथित तौर पर नगदी मिलने के मामले में आंतरिक जांच प्रक्रिया और उनके स्थानांतरण तथा न्यायाधीश के पद से हटाने के फैसले की वैधता को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की है।

मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई से अपने आप को अलग करते हुए कहा कि चूँकि वह उनके स्थानांतरण (दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में) के निर्णय का हिस्सा थे, इसलिए उनके लिए इस मामले में सुनवाई करना उचित नहीं होगा।

न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से दायर एक याचिका पर विचार करने के लिए सहमति व्यक्त करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह मामले की सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेंगे।मुख्य न्यायाधीश गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख करने पर अदालत ने सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी, सिद्धार्थ लूथरा और सिद्धार्थ अग्रवाल भी न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश हुए।

ब्रिटिश परिवारों को गलत शव मिलने से उठा बड़ा सवाल

अहमदाबाद ,23 जुलाई । 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट AI-171 के टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद हुए भीषण हादसे में 270 लोगों की मौत के बाद अब एक और संवेदनशील विवाद सामने आया है। ब्रिटेन के दो परिवारों ने दावा किया है कि उन्हें जो शव सौंपे गए, वे उनके परिजनों के नहीं थे। DNA जांच में यह पुष्टि भी हो चुकी है। ब्रिटेन के वकील जेम्स हीली के अनुसार, इन दोनों परिवारों ने शवों को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के लिए तैयार किया था। लेकिन जब डीएनए रिपोर्ट आई, तो पता चला कि ताबूत में मौजूद शव उनके परिजन का नहीं था। यह खुलासा ब्रिटेन के अखबार डेली मेल ने अपनी रिपोर्ट में किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले की जांच कर रहे हैं। भारतीय पक्ष का दावा है कि शवों की पहचान तय प्रोटोकॉल और स्थानीय पुष्टि के आधार पर की गई थी। सिविल अस्पताल अहमदाबाद के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी का बयान भी सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि सभी शव उनके परिजनों को नियमानुसार सौंप दिए गए थे। हालांकि अब यह मामला गहराता नजर आ रहा है।इस हादसे के बाद पहले भी एयर इंडिया विवादों में रही है। ब्रिटेन की लीगल फर्म स्टीवर्ट्स ने आरोप लगाया था कि एयर इंडिया मुआवजा देने से पहले पीड़ित परिवारों से ऐसी वित्तीय जानकारी मांग रही थी, जिससे उनका दावा कमजोर हो सकता है।

टूरिज्म सेक्टर बना यूपी की समृद्धि का सारथी

लखनऊ, 23 जुलाई। टूरिज्म सेक्टर उत्तर प्रदेश की समृद्धि के सारथी की भूमिका में है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुसार ही इस सेक्टर से होने वाला राजस्व भी बढ़ा है। प्रयागराज महाकुंभ में आए 66.30 करोड़ पर्यटकों और इनसे इस सेक्टर को हासिल राजस्व को अपवाद मान लें तो भी उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों, खासकर घरेलू पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है आंकड़ों के मुताबिक 2023 में उत्तर प्रदेश आने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 48 करोड़ थी। प्रदेश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इसमें से 28.790 करोड़ पर्यटक का तो सिर्फ अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, और प्रयागराज में आना हुआ। वर्ष 2025 में इन शहरों में आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़कर 41.56 करोड़ हो गई। प्रयागराज महाकुंभ में 66.30 करोड़ पर्यटकों के आने और उनके उलट प्रवाह के नाते 2025 का रिकॉर्ड ब्रेक होना तय है। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2028 तक पर्यटकों की संख्या बढ़कर 80 करोड़ तक पहुंच सकती है। पर्यटन के लिहाज से वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज, नैमिष, गोरखपुर, मीरजापुर स्थित विंध्यधाम

सीएम योगी प्रयासों से टूरिज्म सेक्टर में जबरदस्त बूम

नए केंद्र बनकर उभरे हैं। केंद्र सरकार ने देश के जिन 100 शहरों को संभावना वाले शहरों में शामिल किया है उनमें उत्तर प्रदेश के चार शहरों में काशी और अयोध्या भी हैं। इनके अलावा बाकी दो शहरों में प्रदेश की राजधानी लखनऊ और कानपुर हैं। इन सबके विकास पर डबल इंजन (मोदी एवं योगी) की सरकार का खास फोकस भी है। ये सारे शहर वैश्विक स्तर की कनेक्टिविटी से जुड़ चुके हैं।

जापान में जमेगा 'यूपी का सिक्का', योगी सरकार दिखाएगी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक

लखनऊ, 23 जुलाई। उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत अब जापान के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी चमक बिखेरने जा रही है। सीएम योगी के निर्देश पर जापान टूरिज्म एक्सपो 2025 (जो 25 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा) में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग सशक्त भागीदारी दर्ज कराने जा रहा है। इसको लेकर कार्ययोजना तैयार की गई है जिसके अनुसार जापान टूरिज्म एक्सपो के वेन्यू में थीम बेस्ड पवेलियन का संचालन होगा। यह 54 वर्गमीटर क्षेत्र में स्थापित होगा तथा प्रदेश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक विविधताओं को जापानी व एशिया-पैसिफिक आगंतुकों के सामने प्रस्तुत करेगा। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण (यूपीआईटीएस-2025) में भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत की अलौकित छटा देखने को मिलेगी। इसके लिए ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट के हॉल-7 में 465 वर्गमीटर के पंडाल का संचालन किया जाएगा, जहां बौद्ध सर्किट से लेकर पारंपरिक लोक कलाएं व नृत्य का प्रदर्शन आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनेंगे। भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। वर्ष 2023-24 में भारत ने जापान को लगभग 42,800 करोड़ का निर्यात किया, जिसमें इंजीनियरिंग वस्तुएं, रसायन, दवाइयां और समुद्री उत्पाद शामिल रहे। वहीं, जापान से भारत में करीब 1.47 लाख करोड़ मूल्य की सामग्री का आयात किया गया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, उच्च तकनीकी मशीनें और रेयर-अर्थ मैटेरियल्स प्रमुख रहे। इन व्यापारिक रिश्तों की मजबूत बुनियाद पर्यटन क्षेत्र में भी निवेश की अपार संभावनाएं प्रस्तुत कर रही है, खासकर उत्तर प्रदेश में पीपीपी मॉडल के तहत हेरिटेज होटल, वेलनेस सेंटर्स और ईको-रिसॉर्ट्स जैसी परियोजनाओं में निवेश जापानी निवेशकर्ताओं के आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

एकाग्रता से बढ़ाएं कार्यकुशलता

काम करते वक्त ध्यान का भटकना लगभग सभी के साथ होता है, किंतु अगर यह बहुत ज्यादा होने लगे तो इससे कार्य पर तो असर पड़ता ही है, व्यक्ति का स्वभाव भी प्रभावित होने लगता है।

जिनमें एकाग्रता की कमी होती है वे बहुत चिंचित, उदास, चिड़चिड़े और सहमे से रहते हैं। कुछ अपराध भावना व हीनभावना के शिकार भी हो जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी, असुरक्षा की भावना, कुंठा, गुस्सा, चिड़चिड़ापन व घबराहट बढ़ जाती है। ध्यान भटकने की समस्या में आमतौर पर आत्म नियंत्रण व व्यवहार नियंत्रण का अभाव होता है। ध्यान भटकने से अक्सर गलतियां होने की संभावना रहती है। जिनका ध्यान जल्दी बंट जाता है, उनकी मनोदशा में भी जल्दी-जल्दी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एकाग्रता बढ़ाने के लिए निम्न बातों पर गौर फरमाएं -

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडीटेशन और योग करें। इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता का विकास होता है।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए किसी केंद्र बिंदु पर जितनी देर हो सके, ध्यान केंद्रित करें। धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने का समय बढ़ाएं।
- माता-पिता को चाहिए कि शुरू से ही बच्चों को ध्यान केंद्रित करने की शिक्षा दें।
- अपने कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से और समय पर करें, इससे काम का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा और किसी तरह की चिंता भी नहीं रहेगी।
- उद्देश्यों में कामयाब न होने पर भी नकारात्मक विचार आने लगते हैं और नकारात्मक विचार मन में हीनभावना लाते हैं अतः ऐसी भावना से बचें।
- सफलता प्राप्त होने पर स्वयं को सकारात्मक सोच से भरें, जिससे काम करने का उत्साह बना रहे।
- बचपन से ही बच्चों की ताकतों और कमजोरियों को पहचानने की कोशिश करें। जहां तक हो सके घर का माहौल हंसी-खुशी का बनाकर रखें, ताकि बच्चों में नकारात्मक सोच पैदा न हो।
- अपने कार्य को समय-समय पर रिव्यू करते रहें।
- बच्चों की बातों को अनसुना करने की बजाए गौर से सुनें और उन पर ध्यान दें।
- एकाग्रता से काम करने के लिए शांतिपूर्ण माहौल का होना जरूरी है। इसलिए काम करते समय रेडियो या टीवी न चलाएं।
- काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुद को अनुदेश देते रहें कि आपका ध्यान केवल अपने निर्धारित काम के अलावा और कहीं नहीं जाए।
- यदि काम करते समय ध्यान टीवी देखने या किसी मनोरंजन के साधन की ओर जाए तो पहले उसे पूरा करें, फिर काम करें। इससे ध्यान भटकेगा नहीं और आपको संतुष्टि भी मिलेगी।
- विद्यार्थियों को चाहिए कि पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लें। ब्रेक के समय पढ़ाई की चिंता छोड़कर हल्का-फुल्का कुछ खा-पी लें। घरवालों के साथ बातें और हंसी मजाक करते रहें। ऐसा करने से मूड बदलेगा और फिर से पढ़ाई करने में अधिक ध्यान लगेगा।

ये हैं सफलता के मंत्र

पढ़ाई में टॉपर बनना आपका सपना है तो इस सपने को आप मेहनत से हकीकत में बदल सकते हैं। इन सक्सेस मंत्रों को अपनाकर प्रतियोगी परीक्षा और एक्जाम में सफल हो सकते हैं।

कड़ी मेहनत- सफलता हासिल करने का पहला मंत्र है कड़ी मेहनत। मेहनत का कोई शॉर्टकर्ट नहीं होता। यदि अपने पाठ्?यक्रम की आवश्यकता के अनुसार कड़ी मेहनत करते हैं तो उसका फायदा मिलता ही है।

खुश रहें- किसी भी परीक्षा की तैयारी के दौरान नकारात्मक विचारों से दूर रखें। हमेशा पॉजीटिव थिंकिंग रखें। हमेशा खुश रहने की कोशिश करें।

फोकस बनाए रखें- बिना फोकस बनाकर कई घंटे पढ़ाई करने से अच्छा है कि कुछ घंटे ध्यान लगाकर पढ़ाई करें। कुछ देर ही सही पर मन को एकाग्र रखकर पढ़ाई करें।

सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करें- हमेशा जीवन में बड़े सपने देखें और लागं टर्म गोल बनाएं। जब भी ऐसा लगे कि आप हार रहे हैं तो अपने सपनों को याद करें। खुद को यह अहसास दिलाएं कि सफने इतने कीमती हैं कि ऐसा संघर्ष उन सपनों के सामने कुछ भी नहीं है।

ऐसे मिलती है सफलता

अक्सर देखा जाता है कि युवा जब अपना सफल करियर नहीं बना पाते हैं तो इसका दोष वे दूसरों को देते हैं। अपनी नाकामियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने लगते हैं। यह याद रखिए अपनी नाकामी के जिम्मेदार आप खुद हैं।

वे अनेक बातों का रोना रहते हैं, जैसे हमारे माता-पिता के कम पढ़े-लिखे होने के कारण वे हमारा करियर में मागदर्शन नहीं कर सके। हम पढ़ने की सुविधाएं नहीं मिली। पढ़ाई के दौरान हमें घर के कामों में लगाए रखा। घर में ज्यादा सदस्य होने से घरवालों ने हमारी ओर ध्यान नहीं दिया।

ये ऐसी कुछ बातें हैं जो असफल युवा कहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर व्यक्ति कुछ करना चाहे और उसके हौसले बुलंद हों तो उसकी राह में कितनी भी मुसीबतें आएं वह सफल हो जाता है।

एक अंग्रेजी कहावत का हिन्दी अर्थ है- किसी एक विचार या लक्ष्य के प्रति समर्पण के कारण ही एक सामान्य योग्यता रखने वाला व्यक्ति असाधारण प्रतिभा से संपन्न व्यक्ति बनता है।

कठिनाइयां हर किसी के जीवन में आती हैं बस उनका स्वरूप और उनसे लड़ने के तरीके अलग हो सकते हैं। उन कठिनाइयों को ढाल बनाकर अपनी नाकामी को उजागर न करें, बल्कि हर स्थिति से निकलना सीखें।

याद रखिए दुनिया भी उन्हीं को याद रखती है जो संघर्षों से निकलकर सफलता के शिखर पर पहुंचता है। नाकामियों को रोना छोड़कर चल पड़िए मंजिल की राह पर। मुश्किलें तो आएंगी। अपनी नाकामियों को सफलता की मंजिल पाने का पड़ाव मानिए।

हिटलर का प्रसिद्ध वाक्य है, जो बिना संघर्ष के जीतता है वह विजेता कहलाता है लेकिन जो संघर्षों का सामना करके जीतता है वह इतिहास बनाने वाला कहलाता है।

इन बातों जीवन में हमेशा रखें ध्यान-

- अगर आप किसी क्षेत्र में करियर बनाने में असफल हो गए हैं तो यह न सोचिए कि सिर्फ वही क्षेत्र आपके लिए बना था।
- आप दूसरे क्षेत्र में प्रयास कर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं।
- पहाड़ी की चढ़ाई करते समय हमेशा ऊपर चढ़ने वालों को देखना चाहिए। नीचे वालों को देखेंगे तो हमें ऊंचाई से डर लगेगा।
- अपने आपको मोटिवेट कीजिए। सफलता की जो अनुभूति रहती है उसका मजा ही कुछ और है।
- जीत कुछ कर गुज़रने में है, हारकर बैठने में नहीं। प्रयास से सफलता मिल ही जाती है।

फोटोग्राफी में रखें इन बातों का ध्यान

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सबकुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में करियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं।

करियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्?यू फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

इन बातों का रखें ध्यान-

- फोटोग्राफर बनने के लिए किताबी कम और प्रेक्टिकल नॉलेज ज्यादा जरूरी है।
- अपने फील्ड की पूरी जानकारी, लेटेस्ट ट्रेंड पर नजर और आने वाले ट्रेंड की खबर होना जरूरी।
- फोटोग्राफी का बेसिक नॉलेज के लिए किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्?यूट से ट्रेनिंग लें।
- ट्रेनिंग के बाद सबसे ज्यादा जरूरी है विजन।
- इस फील्ड में बहुत ज्यादा पेशन रखने की जरूरत है। यह फील्ड पेशन, कॉन्फिडेंस और हार्ड वर्क मांगता है।
- फोटोग्राफी में सक्सेस धीरे-धीरे ही मिलती है।

फोटोग्राफी के टॉप इंस्टीट्यूट

- नेशनल इंस्टीट्?यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद।
- सर जेजे स्कूल ऑफ एप्लाइड आर्ट, मुंबई।
- जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद।

कैसे सामना करें इंटरव्यू का

इंटरव्यू का नाम आते ही दिल में एक डर पैदा होने लगता है। इंटरव्यू के लिए आपको हर तरह से तैयार रहना पड़ता है। इंटरव्यू से पहले कई अनजाने सवाल सताने लगते हैं।

कहते हैं कि वेल बिग्निंग इज हाफ डन अगर आपने इंटरव्यू में शुरू से ही अपना विश्वास बनाए रखा और इंटरव्यू पेनल के शुरुआती सवालों का प्रभावशाली अंदाज में जवाब दे दिया तो मान लें कि आपकी सफलता की संभावनाएं प्रबल हैं।

इटरव्यू में जाने से पहले नीचे दिए गए टिप्स पर गौर करें। ये टिप्स आपके लिए बड़े मददगार साबित होंगे। टिप्स पढ़ने के बाद आप पाएंगे कि आपका आत्मविश्वास बढ़ गया है।

1. कहा जाता है कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। इसलिए मेंटल लेवल पर तैयारी के साथ-साथ आप यह न भूल जाएं कि इंटरव्यू में आपकी बौद्धिक क्षमता के अलावा आपकी बॉडी लेंग्वेज को भी परखा जाएगा। वेल ड्रेस्ड होकर ही इंटरव्यू में जाएं क्योंकि इससे आप आत्मविश्वास से भर जाएंगे।
2. अपने साथ जरूरी कागजात जरूर ले जाएं। मसलन अपने सर्टिफिकेट, एकेडमिक एचीवमेंट और बायोडाटा जो आपने इंटरव्यू से पहले भेजा था, उसकी एक प्रति अवश्य ले जाएं।
3. अपने कागजात इंटरव्यू में तभी प्रस्तुत करें, जब आप से मांगें जाएं।
4. इंटरव्यू में लेट न हों। कम से कम पंद्रह मिनट पहले पहुंचने की कोशिश करें।
5. यदि किसी कारण न चाहते हुए भी इंटरव्यू में लेट हो जाएं तो उसके लिए सबसे पहले क्षमा मांगें और देर से आने के कारण का उल्लेख करें।
6. इंटरव्यू कक्ष में पहुंचते ही इंटरव्यू पैनल के सदस्यों का अभिवादन जरूर करें।
7. इंटरव्यू पैनल के हर सवाल को ध्यान से सुनें और यदि किसी सवाल को सुनने में कोई शक हो तो निम्रतापूर्वक उसे दोहराने के लिए कहें।
8. सवालों के जवाब विश्वास के साथ और संक्षेप में दें जब तक कि विस्तृत जानकारी देने के लिए न कहा जाए।
9. जिस संस्थान में इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, उसके बारे में मोटी जानकारी पहले ही जुटा लें।
10. जब आपसे पूछा जाए कि इस पद के लिए आपकी एक्सपेक्टेशन क्या है तो इसका जवाब चतुराई से दें। सीधे ही कोई फिगर बताने से बेहतर होगा कि आप कहें कि एस पर द मार्केट स्टेंडर्ड। इंटरव्यू पैनल के दोबारा पूछने पर आप अपने मुताबिक कोई फिगर बता सकते हैं।
11. इंटरव्यू के दौरान इंटरव्यू पैनल से आई कॉन्टेक्ट कायम रखें।
12. अगर किसी विषय में जानकारी नहीं है तो उसे स्वीकार कर लें।
13. कभी झूठ न बोलें। अगर इंटरव्यू पैनल ने आपका झूठ पकड़ लिया तो आपकी सारी इंप्रेशन खराब हो जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

उपायुक्त ने बीबीबीपी पहल के तहत सरकारी स्कूलों के टॉपर्स को टैबलेट देकर सम्मानित किया

पुंछ 23 जुलाई। शैक्षणिक उत्कृष्टता और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले सरकारी स्कूलों के सात मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। सराहना के प्रतीक के रूप में और उनकी आगे की पढ़ाई में सहायता के लिए, उपायुक्त ने इन छात्रों को टैबलेट प्रदान किए।

मुख्य शिक्षा अधिकारी, शिक्षकों, छात्रों और उनके अभिभावकों के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए, उपायुक्त ने कहा कि ये उपलब्धियाँ जिले भर के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के बढ़ते स्तर का प्रमाण हैं। उन्होंने छात्रों को अपने शैक्षणिक लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने और सफलता के लिए प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत टैबलेट का वितरण किया गया, जो लड़कियों की शिक्षा और डिजिटल समावेशन के प्रति प्रशासन की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम का समन्वय जिला समाज कल्याण अधिकारी ने किया और इसमें मुख्य शिक्षा अधिकारी, शिक्षक और गौरवान्वित अभिभावक उपस्थित थे। उपायुक्त ने विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा शैक्षणिक पहलों के लिए जिला प्रशासन के सहयोग की पुष्टि की।

जिला एनसीओआरडी बैठक में नशा विरोधी उपायों पर हुई चर्चा

कठुआ 23 जुलाई (हि.स.)। अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ विश्वजीत सिंह ने आज नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और मादक पदार्थों के व्यापार पर अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा और समीक्षा की गई। बैठक के दौरान नशीली दवाओं की लत, नशा क्षेत्रों की पहचान और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रमुख बिंदुओं से संबंधित मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा इस समस्या से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए गए उपायों की गहन समीक्षा की गई। एडीसी कठुआ ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ निरंतर जागरूकता फैलाने और नशा मुक्ति की सफलता की कहानियों को साझा करने पर जोर दिया। उन्होंने नशीली दवाओं की तस्करी में लिप्त व्यक्तियों की पहचान करने के भी निर्देश दिए ताकि उनके खिलाफ उचित और समय पर कार्रवाई की जा सके। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान पोर्टल पर घटनाओं को समय पर और उचित रूप से अपलोड करने पर भी जोर दिया।

'एक पेड़ मां के नाम' संस्कृति स्कूल में पौधारोपण अभियान आयोजित

कठुआ 23 जुलाई (हि.स.)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जम्मू संस्कृति स्कूल कठुआ ने वन सुरक्षा बल कठुआ के सहयोग से छात्रों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण पौधारोपण अभियान का आयोजन किया।इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में वन सुरक्षा बल के उप निदेशक डॉ. अरुण गुप्ता उपस्थित रहे, जिनका स्कूल प्रबंधन द्वारा स्वागत किया गया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति और प्रेरक शब्दों ने छात्रों को प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव विकसित करने और उसके संरक्षण में सक्रिय जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी बीच उनके मार्गदर्शन में उत्साही छात्रों ने स्कूल परिसर में पौधे लगाए, जो आशा, विकास और एक हरे-भरे कल का प्रतीक थे। यह पहल केवल पेड़ लगाने के बारे में नहीं थी, बल्कि युवा मन में जागरूकता, जिम्मेदारी और स्थायी मूल्यों का विकास करने के बारे में थी। स्कूल प्रधानाचार्या मिली आर सुम्ब्रिया ने डॉ. अरुण गुप्ता के बहुमूल्य सहयोग और छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाने के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्राकृतिक दुनिया का सम्मान और संरक्षण करने वाली पीढ़ी के निर्माण में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया।

बीएडीसी ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष मेंढर के एकलव्य स्कूल के छात्रावास का मुद्दा उठाया

जम्मू, 23 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती निवासियों और आदिवासी आबादी के कल्याण के लिए काम करने वाले एक पंजीकृत संगठन जम्मू और कश्मीर सीमा क्षेत्र विकास सम्मेलन (जेके-बीएडीसी) ने केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय के साथ एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), मेंढर (सीमा जिला पुंछ) में छात्रावास की कमी का मुद्दा उठाकर एक मजबूत कदम उठाया है।

जेके-बीएडीसी के अध्यक्ष और पूर्व कुलपति डॉ. शाज़ाद अहमद मलिक ने केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को एक पत्र लिखा है जिसमें प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्कूल में शामिल हुए लगभग 60 नव प्रवेशित कक्षा सिक्स्थ छात्रों, लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए छात्रावास सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। 22/जुलाई/2025 को अपने 2 पेज के पत्र में डॉ. शाज़ाद ने इन बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला जिनमें से अधिकांश बहुत सीमित वित्तीय साधनों वाले वंचित अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से हैं।

पंजाबी को प्रदेश की आधिकारिक भाषा के रूप में बहाल करें : आम आदमी पार्टी

जम्मू, 23 जुलाई (हि.स.)। एक संयुक्त बयान में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गुरमीत सिंह बागी, अमित कपूर, यासिर मट्टू, इं. हरप्रीत सिंह, असलम कोहली और जफर ने केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में पंजाबी को आधिकारिक भाषा के रूप में बहाल करने का आग्रह किया। पंजाबी भाषा दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है और कई समुदायों द्वारा बोली जाती है। यदि अन्य भाषाओं को जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं के रूप में जोड़ा गया था तो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में पंजाबी को आधिकारिक भाषा के दर्जे से क्यों हटाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह के युग के दौरान जम्मू और कश्मीर पंजाब का हिस्सा था और पंजाबी इस क्षेत्र की स्थानीय भाषाओं में से एक थी। पंजाबी वहां व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा थी और अब यह जम्मू क्षेत्र के सभी पंजाबियों की मातृभाषा है इसके अलावा यह कश्मीर घाटी में रहने वाले पंजाबी समुदाय द्वारा भी बोली जाती है।

पुलिस ने गोवंश तस्करी के दो प्रयास किए विफल, 2 तस्कर गिरफ्तार

सांबा, 23 जुलाई (हि.स.)। गोवंश तस्करों और उनके समर्थकों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने घगवाल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में गोवंश तस्करी के दो प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया तथा दो गोवंश तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके चंगुल से चार गोवंश को मुक्त कराया।

गोवंश के अवैध परिवहन में प्रयुक्त वाहन भी जब्त कर लिए गए। विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना घगवाल के पुलिस चौकी राजपुरा की एक पुलिस टीम ने नाका राजपुरा पर पंजीकरण संख्या जेके02डीजी-4617 वाले एक ऑटो लोडर को जाँच के लिए रोका। जाँच के दौरान वाहन के अंदर एक गोवंश पाया गया जिसे क्रूरतापूर्वक बाँधा गया था और बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था।

गोवंश तस्करों की पहचान अमजद खान पुत्र अब्दुल रशीद निवासी फिंडर खौर देवियां आरएस पुरा जिला जम्मू और तृप्ता देवी पत्नी राज कुमार निवासी फिंडर आरएस पुरा जिला जम्मू के रूप में हुई है। एफआईआर संख्या 74/2025 धारा 223 बीएनएस, 11 पीसीए अधिनियम के तहत पुलिस स्टेशन घगवाल में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

डीडीसी ने छंब में भारी बारिश से हुए नुकसान का लिया जायजा

अखनूर, 23 जुलाई (हि.स.)। भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने विधानसभा छंब के ब्लॉक मैरा मांदरेया की पंचायत बडूई, नरडी, मैरा मांदरेया में दौरा कर भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। सुरेश शर्मा ने तीनों पंचायत में हुए नुकसान का जायजा लिया और लोगों से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त करते हुए भारी बारिश के कारण भूमि कटाव, टूटे हुए सड़क मार्ग, भूस्खलन इत्यादि जैसे से हुए नुकसान के उचित समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को अति शीघ्र हल करने को कहा। इसके अलावा सुरेश शर्मा ने विभाग के अधिकारियों को कहा कि बरसात का मौसम है इसलिए इस बात को सुनिश्चित किया जाए की कोई भी सड़क मार्ग बंद ना हो जिससे लोगों को आने जाने में परेशानी ना आए। सुरेश शर्मा ने भारी बारिश के चलते टूटे हुए खंभों के कारण बंद हुई बिजली पर चर्चा करते हुए विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों को कहा कि यह बहुत ही चिंता का विषय है।

सतीश शर्मा ने पंजाब में पशु व्यापारियों की समस्याओं पर हस्तक्षेप का आश्वासन दिया

श्रीनगर, 23 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवाएँ एवं खेल मंत्री, सतीश शर्मा ने ऑल कश्मीर होलसेल मटन डीलर्स यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए, पंजाब में कुछ पशु मेला ठेकेदारों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पशु व्यापारियों को लगातार परेशान किए जाने और बाधा पहुँचाए जाने की रिपोर्टों को गंभीरता से लिया है।

प्रतिनिधियों ने उन्हें निजी ठेकेदारों द्वारा कथित तौर पर अपने अधि.त क्षेत्र से बाहर काम करने और जम्मू-कश्मीर जाने वाले पशुओं से लदे वाहनों को जबरन रोकने की गैरकानूनी गतिविधियों से अवगत कराया। मंत्री को बताया गया कि इस तरह की कार्रवाइयों से लंबी देरी, वित्तीय नुकसान और पशु कल्याण को गंभीर खतरा हो रहा है, क्योंकि पशुओं को उचित वेंटिलेशन, भोजन या पानी के बिना लंबी यात्रा करनी पड़ती है। ये कृत्य न केवल कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश के व्यापारियों के लिए गंभीर मानवीय और आर्थिक चिंताएँ भी पैदा करते हैं। इस मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, सतीश शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के व्यापारिक समुदाय के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

आर्मी पब्लिक स्कूल में 2025-26 का अलंकरण समारोह आयोजित

जम्मू, 23 जुलाई (हि.स.)। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अलंकरण समारोह आर्मी पब्लिक स्कूल दमाना में बड़ी गरिमा और गंभीरता के साथ आयोजित किया गया जिसने भविष्य के ज़िम्मेदार नेताओं को तैयार करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसने वास्तव में छात्र नेतृत्व के सार का जश्न मनाया और ज़िम्मेदारी और उत्कृष्टता के एक नए अध्याय की शुरुआत की।

अलंकरण समारोह स्कूल कैलेंडर के सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक है जहाँ योग्य युवा नेताओं को औपचारिक रूप से उनकी भूमिकाएँ और ज़िम्मेदारियाँ सौंपी जाती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत एक विशेष प्रात:कालीन सभा के साथ हुई जिसने देशभक्ति के जोश और समर्पण की भावना के साथ दिन की शुरुआत की। इस समारोह में प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापिका, शिक्षकगण और छात्रगण उपस्थित थे जिन्होंने नवनिर्वाचित विद्यालय छात्र परिषद के सदस्यों को सैश प्रदान किए जो विद्यालय के नेतृत्व निकाय में उनकी आधिकारिक नियुक्ति का प्रतीक था।

इस समारोह की शुरुआत प्रधानाचार्या श्रीमती पुष्पिंदर कौर और श्रीमती अनुरीता कौल द्वारा छात्र परिषद के नवगठित सदस्यों को सैश प्रदान करने की प्रमुख परंपरा के साथ हुई। इन सदस्यों का चयन एक कठोर साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था जिसमें यह सुनिश्चित किया गया था कि प्रत्येक नेता विद्यालय के मूल्यों और अनुशासन का पालन करता हो।

बारामूला में सड़क दुर्घटना, 10 छात्र घायल

बारामूला, 23 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला ज़िले के इजारा पहलीपोरा में आर्मी गुडविल स्कूल द्वारा किराए पर ली गई एक मिनी बस के पलट जाने से आज स्कूल के कम से कम 10 छात्र घायल हो गए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि सभी घायलों को को तुरंत इलाज के लिए बारामूला के सरकारी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जाँच जारी है।

जम्मू में जल आपूर्ति प्रबंधन और बुनियादी ढाँचा विकास की समीक्षा की

जम्मू 23 जुलाई (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री जावेद अहमद राणा ने बुधवार को जम्मू प्रांत में जल आपूर्ति प्रबंधन और बुनियादी ढाँचा विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित एक विस्तृत समीक्षा बैठक की।

यह बैठक विशेष रूप से वर्तमान स्थिति का आकलन करने और जनता को पर्याप्त एवं सतत जल संसाधन उपलब्ध कराने हेतु जल आपूर्ति योजनाओं के विस्तार की रणनीति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में अन्य लोगों के अलावा, मुख्य अभियंता पीएचई जम्मू विकास शर्मा, अधीक्षण अभियंता अजय शर्मा और सुनील गंडोत्रा भी उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान मंत्री ने चल रही जल आपूर्ति योजनाओं को शीघ्र पूरा करने के महत्व पर बल दिया और चल रही जल जीवन मिशन योजनाओं को शीघ्र पूरा करने को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक घर को सुरक्षित और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने का उद्देश्य समय पर पूरा हो, जिससे जम्मू के निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। इसके अलावा मंत्री ने जल आपूर्ति प्रणाली में किसी भी रुकावट को दूर करने के लिए त्वरित और कुशल प्रतिक्रिया कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया और जनता की असुविधा को कम करने के लिए सेवाओं की शीघ्र बहाली को अनिवार्य बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण संसाधन तक निर्बाध पहुँच बनाए रखने के लिए यह सक्रिय दृष्टिकोण आवश्यक है। बैठक में संग्रहित जल की गुणवत्ता बनाए रखने और संदूषण को रोकने के लिए जल भंडारण टैंकों की नियमित सफाई और रखरखाव के महत्व पर भी जोर दिया गया।

लोगों और पुलिस के बीच तालमेल बढ़ाने को पुलिस-पब्लिक बैठक आयोजित

सांबा, 23 जुलाई (हि.स.)। सांबा जिला के कस्बा घगवाल के टपयाल के मीटिंग हाल में आम जनता और पुलिस के बीच तालमेल को बढ़ाने के साथ-साथ पुलिस और पब्लिक के बीच के रिश्ते को मजबूत करने के लिए घगवाल क्षेत्र में पुलिस-पब्लिक मीटिंग का आयोजन किया गया और नये कानूनों के बारे में जागरूक किया गया। मीटिंग हाल में कराए गए इस आयोजन में थाना प्रभारी घगवाल नवीन अंगराल और इंस्पेक्टर रविकांत इंचार्ज साइबर सेल सांबा ने नये कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय सुरक्षा अधिनियम के बारे में जागरूक किया और आम जन की समस्याओं को सुना और उनके जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया। इस दौरान बैठक में इलाके के धार्मिक, राजनीतिक एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोग और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे। इस दौरान क्षेत्र के पुलिस से जुड़े सार्वजनिक मुद्दों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और असामाजिक तत्वों की सूचना पुलिस से साझा करने की बात भी कही गई।

डोडा शहर के कई हिस्सों में भारी बारिश

डोडा, 23 जुलाई हि.स.। जम्मू-कश्मीर के डोडा शहर के कई हिस्सों में बुधवार तड़के भारी बारिश हुई है। इससे पहले रियासी क्षेत्र में लगातार भारी बारिश को देखते हुए अधिकारियों ने चिनाब नदी के बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए सलाल बांध के सभी द्वार खोल दिए थे। अधिकारियों ने बताया कि बांध की सुरक्षा और संरचनात्मक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है। जिला प्रशासन के साथ समन्वय में बांध अधिकारी स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। लगातार बारिश के कारण जलस्तर में तेज़ी से वृद्धि हुई है जिससे जलाशय से पानी को नियंत्रित रूप से छोड़ा गया है ताकि किसी भी तरह का अतिप्रवाह या निचले इलाकों में बाढ़ न आए।

उपायुक्त द्वारा बाल संरक्षण उपायों की समीक्षा

उधमपुर 23 जुलाई। उधमपुर उपायुक्त सलोनी राय ने उपायुक्त कार्यालय परिसर के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में बाल श्रम-बाल दुर्व्यवहार-सीआईएसएस पर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जिला बाल संरक्षण अधिकारी कनिका गुप्ता, सचिव डीएलएसए, एसडीएम, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डीसीपीओ कनिका गुप्ता ने अध्यक्ष को टास्क फोर्स में विभिन्न हितधारकों की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बाल दुर्व्यवहार और बाल विवाह की घटनाओं की पहचान करने और उनकी सूचना देने में शैक्षिक तंत्र, विशेष रूप से स्कूली शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने छापेमारी अभियानों के दौरान आने वाली कई चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और समय पर और स्थानीय हस्तक्षेप के लिए उप-मंडल स्तरीय टास्क फोर्स के गठन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। डीसी ने सभी उप-मंडल मजिस्ट्रेटों को बाल श्रम और बाल विवाह की घटनाओं की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उप-मंडल स्तरीय टास्क फोर्स को तुरंत सक्रिय करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए सभी कार्यबलों के बीच समन्वित प्रयासों और सक्रिय संचार की आवश्यकता पर बल दिया।

उपायुक्त ने इन सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाने के लिए, विशेष रूप से स्कूलों और समुदायों में, संवेदनशीलता और जागरूकता के महत्व पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को छात्रों के स्कूल छोड़ने और लंबे समय तक अनुपस्थित रहने पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया, जो अक्सर संभावित बाल शोषण या विवाह के शुरुआती संकेत होते हैं। बाल विवाह और बाल श्रम को जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन बताते हुए, उपायुक्त ने सभी हितधारकों, अधिकारियों और आम जनता से ऐसे मामलों की रिपोर्ट करके और प्रत्येक बच्चे के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण के निर्माण में योगदान देकर परिवर्तन के दूत के रूप में कार्य करने की अपील की।

भाजपा ने शहीद कुलदीप वर्मा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जम्मू, 23 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में शहीद कुलदीप वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जम्मू में अमरनाथ यात्रा भूमि आंदोलन के दौरान शहीद हुए कुलदीप वर्मा के सर्वोच्च बलिदान के प्रति गहरी श्रद्धा और स्मरण व्यक्त किया गया।

भाजपा नेता और शहीद कुलदीप वर्मा की पत्नी शिल्पी वर्मा भी उपस्थित थीं और उन्होंने पार्टी नेतृत्व से मिले सम्मान और समर्थन की सराहना की। इस अवसर पर राकेश महाजन ने कहा कुलदीप वर्मा ने श्री अमरनाथ जी भूमि आंदोलन के दौरान जम्मू के लोगों की जायज़ मांगों के लिए लड़ते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनकी शहादत हमें जन आंदोलनों की शक्ति और न्याय की नींव रखने वाले बलिदानों की याद दिलाती है।

संजीता डोगरा ने वर्मा को साहस और निस्वार्थ समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा उनका सर्वोच्च बलिदान जम्मू के युवाओं को प्रेरित करता रहेगा। उनके आदर्शों को बनाए रखना और अपने लोगों की क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहना हमारा कर्तव्य है।

युद्धवीर सेठी ने क्षेत्र के लिए बलिदान देने वालों को याद करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कुलदीप वर्मा की शहादत हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी है कि हम जम्मू के विकास और सम्मान के लिए उसी दृढ़ विश्वास और दूरदर्शिता के साथ काम करते रहें। चौधरी विक्रम रंधावा ने जनसेवा के माध्यम से ऐसे शहीदों का सम्मान करने का आह्वान किया।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
GOVT. MEDICAL COLLEGE AND ASSOCIATED HOSPITAL, UDHAMPUR

Dr. Parmod Kalsotra
Principal GMC, Udhampur

Phone:01992358062
Email: - principal.gmcudh@jk.gov.in

PUBLIC NOTICE

Subject: - Deficiency of Documents submitted by applicants for the post of Senior Resident in the department of Dentistry.

-Ref: Advertisement. No: 06 of 2025 Dated: -18-06-2025.

It is hereby informed for the information of all concerned candidates who have applied for the post of Senior Resident in the department of Dentistry under Advertisement Notice No. 06 of 2025 Dated:-18-06-2025 that upon preliminary screening of their applications by the Screening Committee, certain deficiencies /discrepancies have been observed in the documents submitted by the applicants. A detailed list of such applicants with nature of deficiencies has been uploaded on the official website. https://gmcudhampur.in.(Annexure A)

All concerned applicants are advised to submit the required documents as mentioned against their names in the list in person to the Establishment Section or by email: - principal.gmcudh@jk.gov.in of GMC Udhampur by 28-07-2025 till 5:00 pm, failing which their candidature shall be liable for rejection without any further notice. Non-Submission within the stipulated time period will lead to rejection of candidates without further notice.

No:GMC/UDH/ESTT/2025-26/ Dated: -

DIP/J-3800/25
Dtd: 23-7-2025

Sd/-
Dr. ParmodKalsotra
Principal
GMC Udhampur

संपादकीय

बंद पड़े सीसीटीवी प्रणाली–सार्वजनिक धन की बर्बादी

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जम्मू के प्रमुख चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे, जिन्हें भारी धूमधाम और उम्मीदों के साथ स्थापित किया गया था ताकि ये एक नई पारदर्शिता और सड़क अनुशासन की शुरुआत करें, अब एक बेकार और निष्क्रिय व्यवस्था में तब्दील हो गए हैं। आज, कोई भी देख सकता है कि वाहन चालक बिना किसी डर के ट्रैफिक सिग्नल को तोड़ते हुए और लाइट्स कूदते हुए चलते हैं, जैसे कि सीसीटीवी कैमरे केवल शहरी सजावट के रूप में लगे हों, जिनका कोई वास्तविक उपयोग न हो। जम्मू के निवासी या यहां आने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं होगा, जिसने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने या गाड़ी चलाते हुए मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले लोगों को न देखा हो।

अगर ये सीसीटीवी कैमरे सही तरीके से काम कर रहे होते और उनके द्वारा रिकॉर्ड किए गए डेटा को नजरअंदाज न किया जाता, तो यह क्षेत्र करोड़ों रुपये के चालान और जुर्माने के रूप में सरकार की संपत्ति में इजाफा कर चुका होता। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ, जो कि इस विशाल व्यवस्था की उपयोगिता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है, जिसे भारी सार्वजनिक धन खर्च कर स्थापित किया गया था। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही और सार्वजनिक खजाने के अपव्यय का एक स्पष्ट उदाहरण है, जिसमें किसी भी व्यक्ति को इस निरर्थक खर्च के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।

मंदिर शहर के लोग उम्मीद कर रहे थे कि इन कैमरों और उनके केंद्रीय नियंत्रण के माध्यम से यातायात का कुशल प्रबंधन होगा, लेकिन इसके बजाय यह प्रणाली न केवल जनता को असफल कर चुकी है, बल्कि इसे स्थापित करने के उद्देश्य को भी नकारा कर चुकी है। आप जम्मू के प्रमुख चौराहों जैसे कि ज्वैल चौक, लास्ट मोर गांधी नगर, पनामा चौक या किसी भी अन्य चौराहे पर जाएं, तो आपको वहाँ की स्थिति फ्री फॉर ऑल नजर आएगी, खासकर सार्वजनिक परिवहन जैसे वाणिज्यिक वाहनों में, जो ट्रैफिक नियमों को नजरअंदाज करते हुए कहीं भी, किसी भी स्थान पर बेधड़क चल रहे होते हैं, और बुरी आदतों को बढ़ावा दे रहे होते हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मंदिर शहर में चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे वास्तव में बंद पड़े हैं, या फिर जो फुटेज रिकॉर्ड किए जा रहे हैं, वह बस डिजिटल धूल जमा कर रहे हैं, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि इन मामलों को नजरअंदाज और बिना निगरानी के छोड़ दिया गया है। इस क्षेत्र में, जहां अधिकारियों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं और खून-खराबे को रोकने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं, वहाँ पर जिम्मेदार विभागों की इस तरह की सुस्ती को गंभीर लापरवाही के रूप में देखा जाना चाहिए। जो बात और भी अधिक चिंता का विषय है, वह है पारदर्शिता की कमी। क्यों इन सीसीटीवी कैमरों द्वारा जारी किए गए चालान सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं? संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता के नाम पर यह जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए कि कितने सीसीटीवी कैमरे कार्यशील हैं, और हर महीने कितने ट्रैफिक चालान इन कैमरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए फुटेज के आधार पर जारी किए जाते हैं। क्योंकि वर्तमान स्थिति में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली केवल एक दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं लगती। सरकार को अब इस स्थिति की गंभीरता को समझते हुए सीसीटीवी कैमरों के संचालन की स्थिति को स्पष्ट करना चाहिए और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

कोयले के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की जरूरत

दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं।

– योगेश कुमार गोयल

थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल, थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है।

थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है।

दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है।

हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है।

वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए।माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है।

बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विज्ञान में लोक को प्रतिष्ठित करने की मुहिम

गिरीश्वर मिश्र

विज्ञान को आधुनिक युग में तेज़ी से धर्म का दर्जा दिया जा रहा है। लोगों में सबकुछ को वैज्ञानिक घोषित करने की ललक बढती जा रही है । ऐसा हो भी क्यों न ? विज्ञान विश्वसनीय, पूर्वाग्रहमुक्त और पक्षपातहीन अंतिम सत्य का पर्यायवाची जो हो गया है। हालाँकि सदैव ऐसा नहीं होता और स्वयं विज्ञान के अर्थ भी बदल रहे हैं। तब भी 'आँखिन देखी' पर विश्वास करने वाली विज्ञान की विधि ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक भरोसेमंद आधार के रूप में सुबुद्ध लोगों की अभी भी पहली पसंद बनी हुई है। टोना-टोटका, झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र और ओझा-सोखा को ले कर लोग हिचकने लगे हैं। आमतौर पर विज्ञान की बढ़ती साख का ही नतीजा है कि विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लगातार प्रयास हो रहे हैं ताकि आम जनों में वैज्ञानिक मानसिकता साइंटिफिक टेम्पर का विकास हो सके और वे खुशहाल जीवन बिता सकें। भारत में होशंगाबाद और केरल में समाज को विज्ञान से जोड़ने की पहल शुरू हुई थी जिसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार न हो सका। यहाँ एक जुड़ा सवाल वैज्ञानिक साक्षरता का भी है क्योंकि विज्ञान के प्रति भावनात्मक रुझान ही काफ़ी नहीं हो सकती उसकी मुलभूत जानकारी भी आवश्यक है । चूँकि विज्ञान का क्षितिज निरंतर विस्तृत हो रहा है इसलिए वैज्ञानिक साक्षरता का स्तर भी बढ़ता रहता है और उसे नए ज्ञान के आलोक में बार-बार परिभाषित और पुर्नपरिभाषित किए जाने की ज़रूरत पड़ती है।

गौरतलब है कि दुनिया और उसमें होने वाली घटनाओं को लेकर उत्सुकता सदा से वैज्ञानिकों के अध्ययन और विज्ञान के विकास के लिए एक बड़ा प्रेरक स्रोत रही है। परंतु विकसित हो रहे ज्ञान तक पहुँच सिर्फ बिरले और चुनिंदा लोगों की ही हो पाती है जो पहले से विशेष प्रकार का अध्ययन और औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके रहते हैं। यह बात एक हद तक तो समझ में आती है पर इस तरह विकसित होता ज्ञान-सृजन व्यापक लोक-जीवन से प्रायः अछूता ही बना रहता है। ज्ञान और समाज के बीच में एक बड़ी खाई या दूरी बनी रहती है जिससे ज्ञान पर कुछ लोगों या समूहों का एकाधिकार और वर्चस्व समाज में शोषण और असंतुलन पैदा करता है। मानवता का इतिहास इसका गवाह है कि ज्ञान में जिसे बढ़त रही वही विजयी रहा। आज भी विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उन्नत रूप को लेकर विकसित राष्ट्रों के द्वारा इसी युक्ति से दबदबा बनाया जा रहा है।

सत्य यही है कि समाज का बहुलांश या कहें एक बहुत बड़ा तबका ज्ञान-विज्ञान से अनभिज्ञ और ज्ञान-प्रक्रिया से बहिष्कृत-सा ही बना रहता है। इस तरह के अपरिचय के कारण उनको उस ज्ञान से लाभ मिलना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। शिक्षा के सामाजिक वितरण में असमानता का मुद्दा जन-कल्याण के व्यापक लक्ष्य को पाने में बड़ी बाधा बन जाता है और अनेक स्तरों पर बना हुआ है। लोकतंत्र की दृष्टि से इस तरह का भेदभाव समाज को ज्ञानसम्पन्न होने के मार्ग में एक बड़ा रोड़ा बन जाता है। ज्ञान के अभाव का परिणाम यह होता है कि न केवल सामाजिक-आर्थिक विषमताएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती चली आती हैं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रतिरोध भी होता है और समाज शैक्षिक-आर्थिक तौर पर पिछड़ जाता है। आज के तथाकथित ज्ञान युग में भी देश के अनेक समुदाय ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देश भी ज्ञान सृजन और ज्ञान के अनुप्रयोग की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। इस विसंगति के समाधान के लिए ज्ञान पर एकाधिकार से आगे बढ़ कर उसका व्यापक पैमाने पर प्रसार जरूरी है।

इधर कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय जगत में ज्ञान के प्रजातंत्री- करण को लेकर गंभीरता के कुछ संकेत दिखाई पड़ रहे हैं। इस सिलसिले में शुरू हुई 卐जन-विज्ञान卐 सिटीज़न साइंस नाम की पहल उल्लेखनीय है। यह पहल ग़ैर व्यवसायी वैज्ञानिकों या नागरिक जनों द्वारा वैज्ञानिक शोध में सक्रिय भागीदारी की परिघटना को व्यक्त करती है। इसे सक्रिय प्रतिभागी अनुसंधान ऐक्शन रिसर्च का ही एक रूप कहा जा सकता है। इसमें विभिन्न मात्रा में शोध कार्य करने के दौरान उसके विभिन्न चरणों में जन-भागीदारी को अवसर दिया जाता है। यह भागीदारी अप्रत्यक्ष और निष्क्रिय सहयोग से आरम्भ हो कर शोध में प्रत्यक्ष सहयोग-सहकार की सीमा तक जा सकती है। उल्लेखनीय है कि यूरोपियन कमीशन, अमेरिकी सरकार और संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्थाओं और व्यवस्थाओं द्वारा जन-विज्ञान की पहल को अब विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

दिल्ली सरकार को ठोस काम दिखाने की जरूरत

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली की रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार को चुनावी मोड से निकल कर ठोस काम कर दिखाने का समय आ गया है। लंबे इंतजार यानी 27 साल के बाद दिल्ली में भाजपा की वापसी हुई। चुनावी जश्न और पहले की सरकारों पर दोषारोपण के बजाए आम लोगों को इस सरकार से ज्यादा उम्मीदें है। बिजली, पानी, अनधिकृत कालोनी, यमुना का सफाई, प्रदूषण, सार्वजनिक परिवहन, शिक्षा, साफ-सफाई, अस्पताल, सड़कें और आम लोगों के जीवन स्तर को सुधारने इत्यादि के ठोस प्रयास का सभी को इस सरकार से उम्मीदें हैं। केवल मोहल्ला क्लीनिक और मोहल्ला में चल रही बसों का नाम बदलने की इस सरकार से उम्मीद नहीं है। नगर निगम से केन्द्र की सरकार तक यानी ट्रिपल इंजन की सरकार अगर सोच-समझ तक फैसला नहीं ले पा रही है। उसे शुरूआत में ही अपने फैसले बदलने पड़ रहे हैं तो सरकार के कामकाज पर न केवल विपक्ष हमलावर होगा बल्कि कमजोर होते विपक्षी दलों को मजबूत होने का अवसर मिल जाएगा।

दस साल से दिल्ली पर राज कर रही आम आदमी पार्टी (आआपा) को भ्रष्टाचार के आरोप में कटघरे में खड़ा करके ही भाजपा केवल दो फीसदी वोट के अंतर से दिल्ली की सत्ता में आ पाई थी। आआपा और उसके नेता अरविंद केजरीवाल की सबसे बड़ी ताकत (यूएसपी) ईमानदारी थी। शराब घोटाले में उनके और उनके कई बड़े नेताओं के जेल जाने और अपनी सरकारी कोठी को सजाने में 55 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगने के बाद तो उन पर और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोपों की झड़ी लग गई और आखिरकार उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री आदि आमतौर से नई दिल्ली यानी लुटियन दिल्ली और दिल्ली के दूसरे महंगे इलाके सिविल लाइन्स में रहते आए हैं। अब तक किसी मुख्यमंत्री या मंत्री ने एक साथ रहने के लिए दो कोठियां आवंटित नहीं करवाई। मुख्यमंत्री बनने के चार महीने बाद रेखा गुप्ता ने सिविल लाइंस में राज निवास के पास दो कोठियां आवंटित करवाई। एक आवास के लिए और दूसरा आवासीय दफ्तर के लिए। इतना ही नहीं उसकी सजावट के लिए 60 लाख रुपए का टेंडर पास हुआ जो हाथ के हाथ सार्वजनिक हो गया। उसका ब्यौरा सार्वजनिक होते ही हंगामा खड़ा हो गया। 14 सीसीटीवी कैमरे, 14 एसी, पांच बड़े टीवी, झूमर, दो यूपीएस और न जाने क्या-क्या।एक तो यह समझ से परे है कि कुछ ही दूरी पर दिल्ली सचिवालय और दिल्ली विधानसभा होने के बावजूद उन्हें पहले के मुख्यमंत्रियों से अलग दो कोठी क्यों चाहिए। दोनों जगह मुख्यमंत्री का भव्य दफ्तर है। अगर आवास की साज-सज्जा होनी थी तो उसे बनने से पहले सार्वजनिक क्यों किया गया। खुद अपने मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर 55 करोड़ रुपए खर्च करवाने वाले आआपा की सरकार के नेता 60 लाख के खर्च पर सवाल उठा कर आआपा के मुख्यमंत्री के शीशमहल के जवाब में भाजपा के मुख्यमंत्री का माया महल मुद्दा बनाने की कोशिश की। कुछ ही दिन में काम शुरू होने से पहले ही उस टेंडर को रद्द करना पड़ा। शीशमहल और माया महल के चक्कर में दिल्ली सचिवालय में पिछली सरकार ने मुख्यमंत्री के दफ्तर पर फूहड़ तरीके से करोड़ों खर्च किए, वह मुद्दा चर्चा में ही नहीं आ पाया। 1998 में दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी शीला दीक्षित ने पूरे दिल्ली सचिवालय और खास करके तीसरी मंजिल के दफ्तर को सुरुचिपूर्ण तरीके से आकर्षक बनवाया था।

इससे भी अजूबा अदालती आदेश से दिल्ली की सड़कों से दस साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को सड़क से हटाने का अभियान के साथ हुआ। यह अदालती फैसला काफी पुराना है। आआपा की केजरीवाल सरकार ने इस पर अमल करने के लिए समय-सीमा पूरा करने वाले वाहनों को सड़कों से हटाने के लिए उन्हें ईंधन न देने की कवायत शुरु की। पायलट प्रोजेक्ट के तहत चार सौ पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगवाए जिनपर एआई के माध्यम से सीधे परिवहन विभाग निगरानी रखने वाला था। यह अजीब संयोग है कि जो काम आआपा सरकार नहीं करवा पाई वह भाजपा करवाने लगी। भाजपा सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ऐसे उत्साह से लगे कि लगा कोई जंग जीतने वाले हैं। इस पर अमल होते ही विरोध शुरु हो गया। लागू करवाने की कवायत करवाने वाली आआपा ने ही सबसे ज्यादा इसके खिलाफ अभियान चलाया। भाजपा के नेता यह कह भी नहीं पाए कि यह तो आआपा सरकार ने शुरू किया था। भारी विरोध और किरकिरी के बाद इसे नवंबर तक के लिए टाल दिया गया।

चुनाव प्रचार में भाजपा नेताओं ने बड़े-बड़े वायदे किए थे। उन वायदों में एक यह भी वायदा था कि बिना वैकल्पित मकान दिए कोई झुग्गी तोड़ी नहीं जाएगी। यह वायदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि दिल्ली का राजनीतिक समीकरण काफी बदल गया है। बगैर अपना वोटबैंक बढ़ाए न तो भाजपा की दिल्ली में लंबे समय तक सरकार चल पाएगी और न ही आआपा जैसे केवल नारों और आधारहीन वायदों पर चुनाव जीतने वाले दलों की स्थाई विदाई हो पाएगी। इस चुनाव में भले ही भाजपा को 70 में से 48 सीटें मिली लेकिन वोट का अंतर दो फीसद का ही रहा। अभी तक झुग्गियों के मामले में इसके ठीक विपरित हो रहा है। बड़े पैमाने पर बिना वैकल्पिक प्लाट या मकान दिए झुग्गी तोड़ी जा रही है।

यह सही है कि अपने वायदे के मुताबिक दिल्ली की नई सरकार की पहली मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली में भी आयुष्मान योजना लागू करने का फैसला लिया गया। बताया गया कि अब तक तीन लाख दस हजार पात्र लोगों का इस योजना में पंजीकरण कर दिया गया है। महिलाओं को पेंशन देना यानी महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, पात्र लोगों को चिह्नित करने का काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने यह संख्या बढ़ाने का वायदा किया। काफी सड़कों के मरम्मत का काम पूरा हो गया। दिल्ली की सड़कों को पूरी तरह से गड्ढा मुक्त करने में अभी समय लगेगा। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने के लिए वायु प्रदूषण शमन योजना बनाई गई है। सरकार का फोकस दिल्ली की साफ-सफाई पर है। अभी तक यह धरातल पर नहीं उतरा है। इसी 22 जुलाई को मंत्रिमंडल ने कई फैसले लिए। मेधावी छात्र-छात्राओं को सरकार लैपटाप देगी। ओलंपिक आदि जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाई गई। कई और फैसले हुए हैं और हर रोज हो भी रहे हैं। जरुरत उस पर अमल करने की है। वैसे अभी भी यह कहा जा सकता है कि अभी बजट पास होने और उसके आवंटन के बाद समय कम मिला है।

आम आदमी पार्टी के हारने के कई कारणों में यह माना जाता है कि उसकी सरकार ने दिल्ली के मूल ढांचे की बेहतरी के लिए ठोस काम नहीं किए। लेकिन उसके कुछ अच्छे कामों में से एक काम निजी स्कूलों के फीस पर नियंत्रण रखना था। आआपा सरकार जाते ही निजी स्कूलों ने बेहिसाब फीस बढ़ा दिए। भाजपा सरकार को इसके विरोध में सड़कों पर उतरे लोगों को शांत करने के लिए मजबूरन कठोर कदम उठाने पड़े। सरकार फीस रेगुलेटरी बिल लेकर आई। तब जाकर कुछ माहौल बदला। यह सरकार को सोचना होगा कि सरकार बनते ही ऐसा क्यों हुआ और आगे किसी और मामले में ऐसा न हो। कुछ काम निश्चित रूप से दिल्ली की ठोस बुनियाद के लिए शुरू हुए हैं। सीएम श्री योजना के तहत 70 विश्वस्तरीय स्कूल खोला जाएगा और आआपा सरकार के 500 मोहल्ला क्लीनिक के बदले 1100 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगे। इसकी शुरुवात भी हो गई है लेकिन इस सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। सबसे बड़ी चुनौती तो दिल्ली में अपने काम से बड़ी लकीर खींचने की है।

भाजपा दिल्ली में विधानसभा बनने के बाद हुए पहले चुनाव यानी 1993 में सत्ता में आई थी। आपसी विवाद के चलते पांच साल में भाजपा को तीन मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। 1998 में दिल्ली की सत्ता से बेदखल होने के बाद इस बार वह सत्ता में लौट पाई है। इस बार भाजपा बिना मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए चुनाव लड़ी और 70 सदस्यों वाली विधानसभा में 45.86 फीसद वोट और 48 सीटों के साथ सत्ता में वापसी की। दस साल से दिल्ली में सत्ता में बैठी आम आदमी पार्टी का वैसे तो वोट औसत काफी (करीब दस फीसद) घटा लेकिन भाजपा के मुकाबले दो फीसद कम यानी 43.57 फीसद पर रह गया। उसकी सीटें केवल 22 रह गई।

अभी आआपा की सरकार पंजाब में है और उसके विधायक गुजरात में भी हैं। इसी के चलते आआपा अपनी स्थापना के पांच साल में ही राष्ट्रीय पार्टी बन गई थी। चुनाव नतीजों के बाद अरविंद केजरीवाल काफी संभल कर बोल रहे थे। हाल ही उप चुनाव में गुजरात में एक और पंजाब में एक सीट जीतने के बाद तो वे पहले वाले रंग में दिखने लगे हैं। अब तो वापसी का दावा करने लगे हैं। केजरीवाल समेत पार्टी के बड़े नेता के खिलाफ शराब घोटाले समेत कई मामले चल रहे हैं। उन्हें सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिली है। यानी आने वाले समय में उनको या मनीष सिसोदिया आदि को जेल जाना पड़ सकता है। बावजूद इसके अगर भाजपा सरकार ठोस काम करने के बजाए आत्ममुग्ध रही तो भाजपा के लिए लंबी पारी खेलना कठिन होगा। दिल्ली के लोगों को इस सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं और देशभर की निगाहें भाजपा की इकलौती महिला मुख्यमंत्री पर टिकी हुई है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंगलिस की तूफानी पारी से वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 में 8 विकेट से हराया

एजेंसी

जमैका। ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंगलिस की धमाकेदार बल्लेबाज़ी की बदौलत बुधवार (भारतीय समयानुसार) को वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है। इंगलिस ने मात्र 33 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कैमरन ग्रीन ने 32 गेंदों में 56 रन बनाकर उनका बखूबी साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 173 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 15.2 ओवर में हासिल कर लिया और 28 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। इससे पहले, वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद अपने अंतिम मुकाबले में दर्शकों को झूमने का मौका दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में 36 रन ठोक डाले, जिसमें चार गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 172 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ एडम ज़म्पा ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 29 रन देकर तीन विकेट झटके। अब दोनों टीमों के बीच तीसरा टी20 मुकाबला सेंट किट्स एंड नेविस में खेला जाएगा (ऑस्ट्रेलियाई समयानुसार)।

एथलेटिक बिलबाओ ने ओसासुना के डिफेंडर जीसस अरेसो को दूसरी बार टीम में किया शामिल

मैड्रिड। एथलेटिक बिलबाओ ने एक बार फिर राइट बैक जीसस अरेसो को ओसासुना से साइन कर लिया है। यह अरेसो का क्लब में दूसरा कार्यकाल होगा। अरेसो को लगभग 1.2 करोड़ यूरो (करीब 14 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की रिलीज क्लॉज के तहत साइन किया गया है और उन्होंने 2031 तक छह साल का अनुबंध किया है। इस ट्रांसफर में एथलेटिक ने एटलेटिको मैड्रिड की रुचि को पीछे छोड़ा। 26 वर्षीय अरेसो इससे पहले 2017 में 4.5 लाख यूरो में ओसासुना से एथलेटिक पहुंचे थे और क्लब की बी टीम के लिए 55 मुकाबलों में खेले। हालांकि, उन्होंने नया अनुबंध ठुकराकर 2021 में ओसासुना वापसी की थी। एक गंभीर पैर की चोट से उबरने के बाद, उन्होंने पिछले दो सीज़नों में ला लीगा में ओसासुना के लिए 76 मैच खेले। तेज और आक्रामक शैली में खेलने वाले अरेसो अब ओस्कार डी मार्कोस की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीज़न के अंत में क्लब के लिए रिकॉर्ड 572 मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, एथलेटिक बिलबाओ स्पेन के डिफेंडर आयमेरिक लापोर्ते को भी सऊदी क्लब अल-नासर से दोबारा साइन करने के करीब है। क्लब ने पिछले सीज़न ला लीगा में चौथा स्थान हासिल किया था और चैंपियंस लीग में वापसी की तैयारी कर रहा है।

2027 रग्बी वर्ल्ड कपः एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा युगांडा

कम्पाला। युगांडा 2027 रग्बी वर्ल्ड कप के लिए एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ मैच की मेजबानी करेगा। यह निर्णायक मुकाबला 26 जुलाई को कम्पाला स्थित मंडेला नेशनल स्टेडियम में नामीबिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच खेला जाएगा। अफ्रीकी क्वालिफायर में जिम्बाब्वे से हारने वाली नामीबिया की टीम के पास अब वर्ल्ड कप की दौड़ में बने रहने का यह अंतिम मौका होगा। अगर वे इस मैच में जीत हासिल करते हैं, तो उनकी उम्मीदें कायम रहेंगी। रग्बी अफ्रीका के अध्यक्ष हर्बर्ट मेंसाह ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें खुशी है कि एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ युगांडा में आयोजित हो रहा है। यह युगांडा के लिए एक और बड़ा अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित करने का शानदार अवसर है। हम युगांडा सरकार और युगांडा रग्बी यूनियन के सहयोग के लिए आभारी हैं। यूएई की टीम युगांडा पहुंच चुकी है। यदि यूएई यह मुकाबला जीतती है, तो वह नवंबर 2025 में होने वाले वर्ल्ड रग्बी रिपेशाज टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेगी, जो उन्हें 2027 वर्ल्ड कप (ऑस्ट्रेलिया) के लिए एक और मौका देगा। रिपेशाज एक चार-टीमों का राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट होगा, जिसमें एशिया/अफ्रीका प्ले-ऑफ विजेता, यूरोप की पांचवीं रैंक टीम, दक्षिण अमेरिका की तीसरी रैंक टीम, और दक्षिण अमेरिका/प्रशांत प्ले-ऑफ की हारने वाली टीम शामिल होंगी।

डुरंड कप 2025 की शुरुआत, भारतीय फुटबॉल में अनिश्चितता के माहौल के बीच कोलकाता में पहला मुकाबला

कोलकाता। देश का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट डुरंड कप बुधवार से कोलकाता में शुरू हो रहा है। 134वें संस्करण के पहले मुकाबले में ईस्ट बंगाल का सामना साउथ यूनाइटेड एफसी से होगा। हालांकि इस बार टूर्नामेंट की शुरुआत ऐसे समय में हो रही है जब भारतीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर भविष्य को लेकर गंभीर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर गतिरोध बना हुआ है। यह करार आठ दिसंबर को समाप्त हो रहा है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकलने से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आगामी सीजन पर संकट मंडरा रहा है। इस अनिश्चितता के बावजूद, डुरंड कप ने एक बार फिर भारतीय फुटबॉल के पारंपरिक सीजन ओपनर के तौर पर अपनी अहमियत बनाए रखी है। टूर्नामेंट में कुल 24 टीमें भाग ले रही हैं, हालांकि केवल छह आईएसएल क्लब ही इस बार शामिल हो सके हैं। ईस्ट बंगाल की नई शुरुआत पर नजरेंआईएसएल 2024-25 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ईस्ट बंगाल इस बार एक मजबूत वापसी की तैयारी में है।

दिल्ली कैबिनेट का फैसला : ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने पर 7 करोड़

1200 छात्रों को मुफ्त लैपटॉप और 175 स्कूलों में आईसीटी लैब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ओलंपिक और पैरालंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की इनामी राशि में बड़ी बढ़ोतरी की गई। इसके साथ ही 10वीं कक्षा में अच्छे अंक लाने वाले 1,200 मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए जाएंगे और दिल्ली के 175 सरकारी स्कूलों में आधुनिक आईसीटी लैब स्थापित की जाएंगी। दिल्ली सरकार में गृह, शिक्षा, विद्युत, शहरी विकास, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। दिल्ली

सरकार ने घोषणा की है कि अब ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 7 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले को 3 करोड़ रुपए मिलेंगे। पहले यह राशि क्रमशः 3 करोड़ रुपए, 2 करोड़ रुपए और 1 करोड़ रुपए थी। एशियाई खेलों के लिए भी इनामी राशि बढ़ाई गई है। अब स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़ रुपए, रजत विजेता को 2 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, जो खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे, उन्हें अब हर साल 20 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, कक्षा 6वीं से 12वीं तक के ऐसे छात्र-खिलाड़ियों को, जो राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं, सालाना 5 लाख रुपए की सहायता मिलेगी। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार ने यह भी तय किया है कि ओलंपिक और पैरा ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वालों को दिल्ली सरकार में ग्रुप ए की नौकरी दी जाएगी। कांस्य पदक जीतने वालों को ग्रुप बी की सरकारी नौकरी मिलेगी।

कोनेरु हम्पी बनीं विश्व कप सेमीफाइनल में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला, वैशाली बाहर, हरिका-दिव्या टाईब्रेक में

एजेंसी

बातुमी, जॉर्जिया। निकलेश जैन , फीडे महिला विश्व कप 2025 में भारत कीशीर्ष महिला खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। वह विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुँचने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। हम्पी ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे क्लासिकल मुकाबले में चीन की इंटरनेशनल मास्टर युशिन सॉन्ग से ड्रॉ खेलते हुए 1.5-0.5 से मैच अपने नाम किया। अब उनका मुकाबला सेमीफाइनल में चीन की तिंगजी लेई से होगा, जिन्होंने जॉर्जिया की नाना डज़गनिड्ज़े को दोनों गेम में हराकर अंतिम चार में स्थान पक्का किया। वहीं भारत की दो अन्य खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली और दिव्या देशमुख के बीच दूसरा क्लासिकल मुकाबला भी पहले की तरह ड्रॉ रहा। दोनों के बीच अब टाईब्रेक खेला जाएगा और जीतने वाली खिलाड़ी सेमीफाइनल में चीन की पूर्व विश्व चैम्पियन झोंगयी तान से भिड़ेगी। झोंगयी ने भारत की आर वैशाली को दूसरे गेम में पराजित कर मुकाबला 1.5-0.5 से जीत लिया और वैशाली का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। गौरतलब है कि हम्पी और हरिका दोनों भारतीय महिला शतरंज की सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ी रही हैं और अब हम्पी ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए नई पीढ़ी के लिए मिसाल कायम की है। महिला विश्व कप अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुँच चुका है जहाँ शीर्ष तीन खिलाड़ी अगले फिडे महिला कैंडिडेट्स में स्थान पक्का करेंगे। ऐसे में भारत की उम्मीदें हम्पी के साथ-साथ हरिका और दिव्या के टाईब्रेक पर टिकी हैं।

लेवोन अरोनियन बने फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम लास वेगास चैंपियन, कार्लसन तीसरे स्थान पर

एजेंसी

लास वेगास, यूएसए। लास वेगास में आयोजित हुए पहले अमेरिकी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम का खिताब 42 वर्षीय लेवोन अरोनियन ने जीत लिया। फाइनल में उन्होंने हमवतन युवा ग्रैंडमास्टर हंस नीमन को 1.5-0.5 से पराजित करते हुए 2,00,000 डॉलर की पुरस्कार राशि अपने नाम की।

पहले मुकाबले में ड्रॉ के बाद अरोनियन ने दूसरी बाजी में शानदार मोहराबंदी करते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। नीमन को इस हार के बाद 1,40,000 डॉलर के साथ उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही। तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में मैग्नस कार्लसन ने यूएसए के हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से पराजित किया। पहला मुकाबला संतुलित रहा लेकिन दूसरी बाजी में कार्लसन ने शुरुआती बढ़त से खेल को अपने पक्ष में मोड़ते हुए

जीत हासिल की और 1,00,000 डॉलर का पुरस्कार अपने नाम किया । कार्लसन इस जीत के साथ फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर की समग्र तालिका में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा, हालांकि एक दिन खराब रहा लेकिन वापसी करके लगातार पाँच मुकाबले जीतना अच्छा लगा। जीत के बाद अरोनियन ने कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, खासकर जब इनाम राशि को देखें तो। मेरी पत्नी और बेटी यहां मेरे साथ थीं, उन्हीं से मुझे ताकत मिली। फाइनल में नीमन ने शुरुआत में दबाव बनाया लेकिन एक निर्णायक गलती के बाद अरोनियन ने बढ़त बना ली और एक्सचेंज अप के साथ बाजी खत्म कर दी।

स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10 स्थान के सुधार के साथ 23वें पायदान पर

एजेंस

दुबई। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है। दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन का योगदान दिया। सोफिया डंकले ने पहले वनडे में 92 गेंदों पर 83 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 24 स्थानों का फायदा हुआ। वह बल्लेबाजों की सूची में 52वें पायदान पहुंच गई। मंधाना पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं और उन्होंने अपनी 727 की

रेटिंग भी बरकरार रखी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और सात के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन अपनी स्थिति और मजबूत करने में सफल रही। मौजूदा श्रृंखला में चार विकेट चटकाने वाली इस अनुभवी खिलाड़ी की रेटिंग 747 से बढ़कर 776 हो गयी है। वह दूसरे वनडे में तीन विकेट चटकाकर प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी थी। गेंदबाजों की रैंकिंग में उनके बाद ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर (724) और मेगन शुट्ट (696) दूसरे और तीसरे पायदान पर है।। दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। इंग्लैंड की चार्ली डीन और भारत की स्नेह राणा जैसी स्पिनरों भी श्रृंखला में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए हैं। डीन करियर की सर्वश्रेष्ठ 625 रेटिंग के साथ दो स्थान चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि राणा 12 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं। राणा ने भी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 515 रेटिंग हासिल की है। डीन हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी सुधार कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं तो वहीं एक्लेस्टोन तीन स्थान के सुधार के साथ 18वें पायदान पर पहुंच गयी है।

हरमनप्रीत और क्रांति का शानदार प्रदर्शन, भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड से श्रृंखला जीती

एजेंसी

चेस्टर ली स्ट्रीट । कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शतक जमाया जबकि युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने छह विकेट लिए जिससे भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 13 रन से जीत दर्ज करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। कप्तान हरमनप्रीत की 84 गेंदों पर 102 रन की शानदार पारी और जेमिमा रोड्रिग्स (50) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने पांच विकेट पर 318 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। खेले गए इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने कमाल दिखाया और इंग्लैंड को 49.5 ओवर में 305 रन पर आउट कर दिया। अपना चौथा वनडे खेल रही क्रांति गौड़ ने 52 रन देकर 6 विकेट जबकि बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी ने 68 रन देकर 2 विकेट लिए। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नेट साइवर ब्रंट ने 98 और एम्मा लैंब ने 68 रन बनाए। इन दोनों ने तीसरे

विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड का यादगार दौरा समाप्त हो गया। उसने इससे पहले पांच मैचों की टी20 श्रृंखला भी 3-2 से जीती थी। हरमनप्रीत पहले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी लेकिन उन्होंने श्रृंखला के निर्णायक मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया तथा वनडे में अपना सातवां और इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा शतक जड़ा। इस दौरान उन्होंने महिला वनडे में 4000 रन भी पूरे किए। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 14 चौके जड़े। यह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने सितंबर 2022 में केंटरबरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट पर 333 रन का सर्वोच्च स्कोर बनाया था। हरमनप्रीत ने उस मैच में भी शतक लगाया था। भारतीय कप्तान ने ऑफ साइड में शानदार शॉट खेले और अपने अधिकतर चौके वहीं मारे। उन्होंने कुछ सीधी बाउंड्री लगाने के अलावा विकेट के पीछे भी एक चौका मारा। हरमनप्रीत ने इस दौरान हरलीन देओल (45) के साथ तीसरे विकेट विकेट के लिए 81 और फिर जेमिमा के साथ सिर्फ 77 गेंद में 110 रन की साझेदारी करके भारत का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एकल मैच जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस विलियम्स

एजेंसी

वाशिंगटन । वीनस विलियम्स पेशेवर टेनिस में टूर-स्तरीय एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया और डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी। उन्होंने

मैच के बाद कहा, 'जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है। वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड की शैतानी का जिक्र किया, यह रणनीति खेल भावना के अनुरूप नहीं

एजेंसी

मैनचेस्टर । भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन के अंत में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों द्वारा अपनाई गई देरी करने की रणनीति की आलोचना करते हुए कहा कि क्रीज पर 90 सेकेंड देरी से आना खेल भावना के अनुरूप नहीं था। मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट से पहले मीडिया से बातचीत का अंत गिल ने विस्फोटक अंदाज में किया जब उनसे तीसरे मैच के दौरान मैदान पर तनाव के बारे में पूछा गया। लॉर्ड्स में दोनों पक्षों द्वारा दिखाई गई आक्रामकता के बाद से इंग्लैंड की मीडिया भारतीय और घरेलू टीम के खिलाड़ियों से लगातार यह सवाल पूछ रही है। गिल ने आक्रामक अंदाज में कहा, 'हां, बहुत से लोग इसके बारे में बात कर रहे हैं इसलिए मैं एक बार और सभी के लिए स्पष्ट कर दूं कि उस दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों के

पास 7 मिनट का खेल बचा था, वे क्रीज पर 90 सेकेंड देरी से आए, 10 नहीं, 20 नहीं, बल्कि 90 सेकेंड देरी से। उन्होंने कहा, 'हां, अधिकतर टीमें यही (देरी करने की रणनीति) करती हैं। अगर हम इस स्थिति में होते तो हम भी कम ओवर खेलना पसंद करते लेकिन ऐसा करने का एक तरीका होता है और हमें लगाता है कि अगर आपके शरीर पर गेंद लगती है तो फिजियो को मैदान पर आने की इजाजत है और यह उचित भी है। गिल ने कहा, 'लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रीज पर 90 सेकेंड देरी से आना खेल भावना के अनुसार है।बुमराह ने तीसरे दिन आखिरी ओवर फेंका था और दिन का खेल खत्म होने से ठीक पहले खेल में देरी करने के लिए क्रॉली की तरफ व्यंग्यात्मक लहजे में ताली बजाई थी। भारतीय खिलाड़ियों और डकेट के बीच भी बहस हुई थी। टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी पहली श्रृंखला में गिल ने भी क्रॉली को हिम्मत दिखाने को कहा था। गिल ने कहा, 'उस घटना से ठीक पहले, बहुत सी ऐसी चीजें हुईं जिनके बारे में हमें लगता था कि उन्हें नहीं होना चाहिए था, लेकिन वे हुईं, मैं यह नहीं कहूंगा कि मुझे इस पर बहुत गर्व है।उन्होंने कहा, 'लेकिन इसकी भूमिका थी, यह अचानक नहीं हुआ और हमारा ऐसा करने का कोई इरादा नहीं था। भारतीय कप्तान ने कहा, 'लेकिन बात बस इतनी है कि आप एक मैच खेल रहे हैं, आप जीतने के लिए खेल रहे हैं और इसमें बहुत सारी भावनाएं शामिल होती हैं और जब आप देखते हैं कि कुछ ऐसी चीजें हो रही हैं जो नहीं होनी चाहिए तो कभी-कभी भावनाएं अचानक से आ जाती हैं।

दूसरा अंडर-19 यूथ टेस्टः मल्होत्रा के शतक के बावजूद इंग्लैंड का दबदबा, भारत बैकफुट पर

एजेंसी

वॉस्टर। भारत के युवा बल्लेबाज़ विहान मल्होत्रा ने शानदार शतक (120 रन, 123 गेंद) लगाया, लेकिन इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर राल्फी एल्बर्ट (6/53) की घातक गेंदबाज़ी के सामने भारतीय पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। इंग्लैंड ने दूसरे अंडर-19 यूथ टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मजबूत बढ़त बना ली है।मल्होत्रा और अयुष म्हात्रे (80 रन, 90 गेंद) ने दूसरे विकेट के लिए 133 रन की तेज़ साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में ला दिया था। उस समय भारत का स्कोर 170/1 था और लग रहा था कि टीम पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल कर सकती है। लेकिन म्हात्रे के आउट होते ही इंग्लैंड ने मैच में वापसी की और भारत की पारी 279 रनों पर सिमट गई। भारत ने

पहली पारी में इंग्लैंड के स्कोर 309 के मुकाबले 30 रन से पिछड़ते हुए महत्वपूर्ण बढ़त गंवा दी। इसके बाद इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 93 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 123 रन की हो गई है। दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज़ एडम थॉमस (50*) और बीजे डॉकिंस (42*) नाबाद हैं और टीम मजबूत स्थिति में है।

यूएस ओलंपिक और पैरालंपिक समिति ने ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला खेलों में भाग लेने पर लगाई रोक

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) ने अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से प्रतिबंधित कर दिया है। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में जारी किए गए कार्यकारी आदेश के अनुरूप लिया गया है। यूएसओपीसी ने अपनी एथलीट सुरक्षा नीति में किए गए संशोधन में कहा, यूएसओपीसी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) और राष्ट्रीय खेल महासंघों जैसे संबंधित निकायों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगा कि महिलाओं को निष्पक्ष और सुरक्षित प्रतिस्पर्धा का माहौल मिले, जो कार्यकारी आदेश और टेड स्टीवंस ओलंपिक एवं शौकिया खेल अधिनियम के अनुरूप हो। इस बदलाव को लेकर यूएसओपीसी ने फिलहाल किसी भी मीडिया सवाल का जवाब नहीं दिया है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूएसओपीसी के अध्यक्ष जीन साइक्स और सीईओ सारा हिर्शलैंड ने टीम यूएसए समुदाय को एक मेमो भेजकर यह स्पष्ट किया कि एक संघीय चार्टर्ड संगठन होने के नाते, यूएसओपीसी की जिम्मेदारी है कि वह संघीय अपेक्षाओं का पालन करे।

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 के दायरे में आएगा बीसीसीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 के दायरे में आएगा जिसे संसद के चालू मानसून सत्र में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। BCCI समेत सभी महासंघों के लिए राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक के दायरे में आना अनिवार्य होगा। बीसीसीआई एकमात्र प्रमुख खेल संस्था थी जो सरकारी नियमों के दायरे में नहीं आती थी। इससे यह भी सवाल उठता है कि क्या बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी इस पद पर बने रहेंगे क्योंकि बीसीसीआई का संविधान पदाधिकारियों को 70 वर्ष की आयु तक पद पर बने रहने की अनुमति देता है जो 1983 विश्व कप विजेता बिन्नी 19 जुलाई को 70 वर्ष के हो गए लेकिन सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक के साथ, यह देखना बाकी है कि क्या वह शीर्ष पद पर बने रहेंगे या वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला कार्यभार संभालेंगे। अक्टूबर 2024 से प्रक्रियाधीन इस विधेयक का उद्देश्य सुशासन प्रथाओं के माध्यम से खेलों के विकास और संवर्धन, खिलाड़ियों के लिए कल्याणकारी उपायों, खेलों में नैतिक प्रथाओं और उनसे जुड़े या प्रासंगिक मामलों का प्रावधान करना है। यह खेल महासंघों के संचालन के लिए संस्थागत क्षमता और विवेकपूर्ण मानकों को स्थापित करने के लिए भी जिम्मेदार होगा, जो ओलंपिक और खेल आंदोलन के सुशासन, नैतिकता और निष्पक्ष खेल के बुनियादी सार्वभौमिक सिद्धांतों, ओलंपिक चार्टर, पैरालंपिक चार्टर, अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और स्थापित कानूनी मानकों पर आधारित होंगे। विधेयक में खेल संबंधी शिकायतों और खेल विवादों के एकीकृत, न्यायसंगत और प्रभावी तरीके से समाधान के उपाय स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। विधेयक का उद्देश्य हस्क्क के माध्यम से 10 समस्याओं का समाधान करना भी है जिसमें राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अपारदर्शी शासन, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना होगा। शासन में एथलीटों के प्रतिनिधित्व का अभाव : एथलीट समितियों के माध्यम से एथलीटों को शामिल करना और उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ियों (एसओएम) का प्रतिनिधित्व अनिवार्य करता है।

NSF चुनावों पर बार-बार मुकदमेबाजी : अदालती मामलों को कम करने के लिए स्पष्ट चुनावी दिशानिर्देश और विवाद समाधान तंत्र स्थापित करता है।

अनुचित या अपारदर्शी एथलीट चयन : चयन मानदंडों को मानकीकृत करता है और योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करने के लिए परीक्षणों और परिणामों के प्रकाशन को अनिवार्य करता है।

उत्पीड़न और असुरक्षित खेल वातावरण : शिकायतों के लिए सुरक्षित खेल तंत्र, POSH अनुपालन और स्वतंत्र समितियों को अनिवार्य करता है।

शिकायत निवारण चैनलों का अभाव : एथलीटों, प्रशिक्षकों और हितधारकों के लिए समर्पित, समयबद्ध शिकायत निवारण प्रणालियां स्थापित करता है।

एथलीटों के करियर को नुकसान पहुंचाने वाली लंबी कानूनी देरी : विवादों को शीघ्रता से सुलझाने के लिए फास्ट-ट्रैक मध्यस्थता या न्यायाधिकरण प्रणाली शुरू करता है।

आयु हेरफेर और डोपिंग : कानूनी दायित्वों के रूप में सख्त सत्यापन, बायोमेट्रिक सिस्टम और एंटी-डोपिंग अनुपालन को लागू करता है।

अधिकारियों के बीच हितों का टकराव : हितों के टकराव के नियमों की स्पष्ट परिभाषाएं और प्रवर्तन शुरू करता है।

NSF और IOA के लिए कोई समान संहिता नहीं : सभी खेल निकायों को एकीकृत शासन संहिता और पात्रता मानदंड के अंतर्गत लाया गया।

मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों को 1.39 लाख करोड़ का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज दबाव में कारोबार करने के बाद मामूली कमजोरी के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी और सेंसेक्स की चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। शेयर बाजार की चाल में आज पूरे दिन लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। दिनभर का कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स कमजोरी के साथ बंद हुए। पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटो, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई।

अकासा एयर के बेड़े में 2032 तक होंगे 226 विमानः अंकुर गोयल

नई दिल्ली। भारत की सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइन अकासा एयर ने 2032 तक अपने विमानों के बेड़े की संख्या को 30 से बढ़ा कर 226 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अकासा एयर ने 31 मार्च, 2025 को समाप्?त वित्?त वर्ष 2024-25 में 49 फीसदी राजस्व वृद्धि और 50 फीसदी मार्जिन सुधार दर्ज किया है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अंकुर गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्?ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अकासा एयर ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 49 फीसदी राजस्व वृद्धि और 50 फीसदी मार्जिन सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन की योजना इस अवधि के दौरान सालाना 25 से 30 फीसदी क्षमता जोड़ने की है। अंकुर गोयल ने बताया कि बढ़ती लाभप्रदता, 27 विमानों और 1.6 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की सेवा के साथ एयरलाइन ने दीर्घकालिक विकास और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उन्होंने कहा कि अकासा एयर ने इस साल 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज की है।

शांति गोल्ड का आईपीओ 25 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 189-199 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। स्वर्ण आभूषण विनिर्माता कंपनी शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए शुक्रवार, 25 जुलाई को खुलेगा और 29 जुलाई को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 189-199 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर 1 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 189-199 रुपये तय किया गया है। ये आईपीओ पूरी तरह 1.81 करोड़ इक्विटी शेयरों तक के नए शेयरों का निर्गम है, जिसमें बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक शामिल नहीं है। निवेशक न्यूनतम 75 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 75 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस इश्यू से 360 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड इस निर्गम से प्राप्त धनराशि का इस्तेमाल जयपुर में इकाई स्थापित करने, कंपनी की कार्यशील पूंजी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने, कर्ज भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए करेगी। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

सिप्ला हेल्थ ने एस्टाबेरी के नये कैंपेन 'गेट द रिच लुक' की घोषणा की

नई दिल्ली। वेलनेस कैटेगरी की अग्रणी कंपनी सिप्ला हेल्थ ने अपने ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड एस्टाबेरी के नवीनतम कैंपेन 'गेट द रिच लुक' की घोषणा की है। 'रिच लुक' का मतलब है ऐसी मुलायम और स्वस्थ त्वचा जो बिना किसी मेकअप या फिल्टर के स्वाभाविक रूप से दमकती है और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में आत्मविश्वास को निखारती है। कंपनी ने बताया कि प्रकृति से प्रेरित और देश की महिलाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह कैंपेन, स्वाभाविक रूप से दमकती, सेहतमंद त्वचा का उत्सव है जो महिलाओं को जीवन के हर मोड़ पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की ताकत देता है। उपभोक्ताओं द्वारा साझा की गई असली कहानियों से प्रेरणा लेते हुए, इस फिल्म में दिखाया गया है कि एस्टाबेरी के सरल और प्रभावशाली स्किनकेयर समाधान महिलाओं को स्वाभाविक रूप से दमकता हुआ 'रिच लुक' हासिल करने में कैसे मदद कर सकते हैं। यह फिल्म हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज़ में जीवन के उन परिचित पलों को आकर्षक ढंग से दर्शाती है, जहां एक मामूली से ब्यूटी अपग्रेड से कोई महिला अपना लुक बेहतर बना सकती है, चाहे वह किसी नए व्यक्ति से मिलना हो।

दुबई-स्पेन यात्रा में मप्र मिले 11,119 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 14 हजार रोजगार सृजन की संभावना

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 13 से 19 जुलाई तक दुबई-स्पेन की सफल निवेश यात्रा से प्रदेश को वैश्विक निवेश के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान मिली है और यूरोप तथा खाड़ी देशों में यह संदेश पहुंचा है कि मध्य प्रदेश निवेश मित्र राज्य है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में कुल 11,119 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे लगभग 14 हजार से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। मुख्यमंत्री मंत्रालय में मंत्री-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। दुबई-स्पेन की सफल निवेश यात्रा के लिए मंत्रियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प गुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पेन में उद्यानिकी, फल उत्पादन और कृषि क्षेत्र का प्रबंधन सराहनीय और अनुकरणीय है। इस क्षेत्र में

आधुनिकतम तकनीक अपनाने के लिए प्रदेश के कृषक दलों को स्पेन भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि वस्त्र व्यवसाय में लगे अंतरराष्ट्रीय समूह, हरित ऊर्जा के उपयोग और प्राकृतिक खेती से उत्पादित सामग्री को विशेष महत्व देते हैं। इस दृष्टि से मध्य प्रदेश के उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष महत्व है। राज्य सरकार प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने की पहल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई, मैड्रिड, बार्सिलोना में आयोजित इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश'' कार्यक्रम एवंप्रवासी भारतीयों से चर्चा'' में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश में टेक्समास (दुबई) के साथ एमओयू हुआ है। अरब देशों के निवेशकों को आकर्षित करने के लिये अरब चैम्बर ऑफ कामर्स के साथ भी एमओयू किया गया। इसी तरह निवेश, तकनीकी सहयोग और सतत ?डिजिटल अधोसंरचना विकास के लिये सबमर टेक्नॉलाजीस एसएल के साथ एमओयू किया गया। दुबई में इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्टील मेन्युफेक्चरिंग, हॉस्पिटैलिटी, डिफेंस, वेयरहाउसिंग और सस्टेनेबल सिटी जैसे क्षेत्रों में कम्पनियों से कुल 6801 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। स्पेन में डिजिटल, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन में कम्पनियों से 4318 करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें उन्नत बायोफ्यूल और एसएएफ प्रोजेक्ट्स में 4000 करोड़ का एक बड़ा निवेश प्रस्ताव भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संपूर्ण वैश्विक जगत में विख्यात 12 ज्योतिर्लिंगों में से उज्जैन की धरती पर भूतभावन महाकाल बाबा विराजमान हैं।

जिंदल स्टील एंड पावर का नाम बदलकर कर दिया गया जिंदल स्टील

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की कंपनी जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपीएल) का नाम बदलकर जिंदल स्टील लिमिटेड कर दिया गया है। कंपनी ने भारत सरकार से मंजूरी मिलने के बाद कंपनी के नाम में यह बदलाव किया है। ये नाम 22 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में बताया कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपीएल) का नाम बदलकर अब जिंदल स्टील लिमिटेड कर दिया गया है। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा है, भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के कंपनी रजिस्ट्रार से अनुमोदन मिलने के बाद

जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलकर जिंदल स्टील लिमिटेड कर दिया है, जो 22 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा। जिंदल स्टील ने कहा कि कंपनी अपने नए नाम के तहत शेयरों द्वारा सीमित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में काम करना जारी रखेगी। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि इस्पात निर्माण में अपनी मुख्य ताकत पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि अब हम जिंदल स्टील हैं। कंपनी ने कहा कि ये परिवर्तन कंपनी के इस्पात क्षेत्र के अपने मुख्य व्यवसाय पर केंद्रित ध्यान और एक समर्पित, भविष्योन्मुखी इस्पात उद्यम के रूप में उसकी रणनीतिक दिशा को दर्शाता है। नया नाम भारत और विश्व स्तर पर पहचान की स्पष्टता को पुष्ट करता है।

आईआरएफसी ने रचा इतिहासःअब तक का सबसे मजबूत तिमाही प्रदर्शन, शुद्ध लाभ में 10.71 प्रतिशत की उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की वित्तीय शाखा इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। कंपनी का शुद्ध लाभ 10.71फीसदी की वृद्धि के साथ 1,745.69 करोड़ पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 1,576.83 करोड़ था। यह आईआरएफसी के इतिहास में किसी एक तिमाही में सबसे अधिक शुद्ध लाभ है कंपनी ने इस तिमाही में कुल 6,918.24 करोड़ की आय दर्ज की, जो पिछले वर्ष की 6,766.03 करोड़ से अधिक है। इंटरस्ट मार्जिन भी 1.53त्न की दर से बेहतर हुआ है। इस दौरान कंपनी की कुल परिसंपत्तियां बढ़कर ?4,41,650 करोड़ तक पहुंच गईं, जो पिछले वर्ष ?4,24,230 करोड़ थीं। आईआरएफसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मनोज़ कुमार दुबे ने इस प्रदर्शन को रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन और परिचालन दक्षता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम रेलवे इकोसिस्टम में एक मजबूत वित्तीय स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। न्यूनतम ओवरहेड, उत्कृष्ट रेटिंग प्रोफाइल और विविध पोर्टफोलियो के साथ हमने ऐतिहासिक स्तर तक प्रदर्शन किया है। शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। उसका बाजार पूंजीकरण अब ?2,54,423.96 करोड़ के स्तर तक पहुंच चुका है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की क्रेडिट रेटिंग में भी सुधार देखा गया है, जिससे निवेशकों का भरोसा और मजबूत हुआ है। इस तिमाही में ई-डेट, ई-ट्रैक्टिव और रेलवे से जुड़े अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से पूंजी जुटाने के प्रयासों में भी तेजी देखी गई है। कंपनी ने 7.44 प्रतिशत की दर से उच्च प्रतिफल वाले निवेश साधनों के जरिए अपना राजस्व बढ़ाया है। गौरतलब है कि हाल ही में सरकार द्वारा आईआरएफसी को 'नवरत्न' का दर्जा प्रदान किया गया था, जिससे कंपनी को निवेश और संचालन में अधिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इसका सकारात्मक प्रभाव इस तिमाही के प्रदर्शन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। आईआरएफसी द्वारा जारी आंकड़े संकेत देते हैं कि कंपनी न केवल रेलवे के वित्तपोषण में अपनी भूमिका को और व्यापक बना रही है, बल्कि राष्ट्रीय अवसंरचना विकास में भी एक निर्णायक भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

केंद्र ने 22 राज्यों को प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए जारी किए 9578.40 करोड़ रुपये : गृह मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 22 राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) के तहत 9578.40 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह जानकारी लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी गृह राज्य मंत्री ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह वित्तीय सहायता प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर राहत के तौर पर दी जाती है, न कि पीड़ितों द्वारा दावे के आधार पर हुए नुकसान की भरपाई के रूप में। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की होती है, जबकि केंद्र सरकार की ओर से एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के माध्यम से वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून इस वर्ष सामान्य तिथि 1 जून से आठ दिन पहले 24 मई को केरल में पहुंच गया। यह पिछले 17 वर्षों में मानसून का सबसे जल्दी आगमन है। मुंबई में मानसून 26 मई को पहुंचा, जबकि सामान्य तिथि 11 जून होती है- यह पिछले 75 वर्षों में सबसे पहले पहुंचने वाला मानसून है।

देश भर में मानसून 29 जून को ही पहुंच गया, जो सामान्य तिथि 8 जुलाई से 9 दिन पहले है। जून के दूसरे पखवाड़े और जुलाई के पहले 15 दिनों में बारिश की तीव्रता सबसे अधिक रही। खासकर गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी घटनाएं दर्ज की गई हैं। मंत्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की गंभीर घटनाओं को देखते हुए, केंद्र सरकार ने बिना राज्य ज्ञापन की प्रतीक्षा किए, एक अंतर-मंत्रालयीय केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) का गठन किया है। यह टीम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर क्षति का आकलन करेगी। नित्यानंद राय ने कहा कि एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के तहत दी जाने वाली राशि राहत कार्यों के लिए होती है, न कि व्यक्तिगत क्षति के मुआवज़े के रूप में। राज्य सरकारों को पहले से जारी एसडीआरएफ की राशि से अपने स्तर पर राहत कार्य संचालित करने होते हैं। जुलाई 15, 2025 तक जारी 9578.40 करोड़ रुपये की राशि से राज्यों को राहत कार्यों में मदद मिलेगी। संबंधित राज्यों को आवंटित और जारी राशि की विस्तृत जानकारी आपदा प्रबंधन विभाग की वेबसाइट ndmindia.mha.gov.in पर उपलब्ध है।

स्टॉक मार्केट में मोनिका एल्कोबेव की सपाट एंट्री, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। एल्कोहलिक बेवरेजेज का आयात करके भारत और पड़ोसी देशों में बिक्री करने वाली कंपनी मोनिका एल्कोबेव के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 286 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 0.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 288 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण शेयरों में तेजी का रुख बना। सुबह 10ऱ्30 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 289.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इससे अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 1.22 प्रतिशत का मुनाफा हुआ है। मोनिका एल्कोबेव का 165.63 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 137.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 13.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.60 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 23.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 238.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एनपीए 4 साल में 9.11 फीसदी से घटकर 2.58 फीसदी हुआ : वित्त राज्य मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) में लगातार गिरावट आई है। मार्च 2021 से मार्च 2025 तक पीएसबी का एनपीए 9.11 फीसदी से घटकर 2.58 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही खुदरा महंगाई दर भी जून में घटकर 2.1 फीसदी पर आ गई है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। पंकज चौधरी ने कहा, सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) दोनों ने बढ़ते एनपीए की समस्या से निपटने और वसूली की दरों में सुधार के लिए कई उपाय पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि इसके कारण पिछले पांच वित्त वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल एनपीए मार्च 2021 के 9.11 फीसदी से घटकर मार्च 2025 तक 2.58 फीसदी हो गया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में कहा कि सरकार और आरबीआई ने महंगाई को नियंत्रित करने और आम नागरिकों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रमुख मौद्रिक और राजकोषीय उपाय किए हैं। मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने मई 2022 और फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.50 आधार अंकों (4 फीसदी से 6.5 फीसदी) की वृद्धि की और उसके बाद जनवरी 2025 तक इसे 6.5 फीसदी पर बनाए रखा। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 फीसदी से गिरकर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.6 फीसदी हो गई।

सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

++++++++++++++++++

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जोरदार तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये से लेकर 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,860 रुपये से लेकर 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,18,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि

22 कैरेट सोने की कीमत 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जून में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 1.7 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। समावेशी आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ कदम के रूप में केंद्र सरकार की स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत अप्रैल 2022 से मार्च 2025 के बीच अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और महिला उद्यमियों को करीब 29,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य सभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कहा कि इस योजना का उद्देश्य वित्तीय सहायता और उद्यमशीलता सहायता प्रदान करके हाशिए पर रहने वाले समुदायों को आत्मविश्वास से भरे नौकरी सृजक में बदलना है। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय मदद के अतिरिक्त यह योजना हाशिए पर खड़े वर्ग को परामर्श, ट्रेनिंग और कौशल केंद्र, मेंटरशिप सहयोग, उद्यम विकास कार्यक्रम केंद्र, जिला उद्योग केंद्र जैसा विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच के मूल्य के ऋण उस श्रेणी (रेटिंग) के लिए बैंक की न्यूनतम लागू दर पर उपलब्ध कराए गए हैं, जो आधार दर एमसीएलआर+3 फीसदी + अवधि प्रीमियम से अधिक नहीं थी, तथा पुनर्भुतान अवधि 7 वर्ष थी, तथा अधिकतम 18 महीने तक की ऋण स्थगन अवधि थी। उल्लेखनीय है कि स्टैंड-अप इंडिया योजना 05 अप्रैल, 2016 को लॉन्च की गई थी। इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण, सेवा क्षेत्र में ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए प्रत्येक बैंक शाखा से कम से कम एक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति उधारकर्ता और एक महिला उधारकर्ता को 10 लाख रुपये से 01 करोड़ रुपये के बीच मूल्य के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से ऋण उपलब्ध कराना था।

कमर्शियल कॉल के लिए चरणबद्ध तरीके से अपनायी जायेगी 1600 नंबर सीरीज

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की एक बैठक में कमर्शियल कॉलों के लिए 1600 नंबर सीरीज को चरणबद्ध तरीके से अपनाने पर सहमति बनी है।ट्राई की संयुक्त नियामक समिति की हुयी बैठक में इस बात पर सहमति बनी। वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए लंबे समय से वाणिज्यिक कॉलों के लिए अलग नंबर सीरीज की मांग की जा रही थी। प्राधिकरण ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी थी, लेकिन इसे लागू करने के लिए समयसीमा पर फैसला नहीं हो सका था। समिति की मंगलवार को हुयी बैठक में सभी पक्ष इस बात सहमत हुये कि अलग-अलग सेक्टरों के नियामकों से प्राप्त इनपुट के आधार पर चरणबद्ध तरीके से इसे अपनाया जायेगा। ट्राई के मुख्यालय में यहां आयोजित इस बैठक में रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण, भविष्य निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधि मौजूद थे। इसके अलावा बैठक में ऋण तथा अन्य वित्तीय सेवाओं के लिए डिजिटल सहमति पर शुरू किये गये पायलट पर भी चर्चा की गयी। इस पायलट में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के अलावा भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक शामिल हैं। सभी पक्षों ने मिलकर इसे आगे ले जाने पर सहमति जतायी है।

डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया, अन्य मुद्राओं की तुलना में भी आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे फिसल कर 86.36 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 86.31 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की मजबूती के साथ 86.25 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया और 3 पैसे उछल कर 86.22 के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली शुरू करके डॉलर की निकासी शुरू कर दी। ऐसा होने पर मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़

गई, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ गया। डॉलर की मांग तेज होने पर रुपया ऊपरी स्तर से 20 पैसे फिसल कर 11 पैसे की कमजोरी के साथ 86.42 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में मामूली सुधार हुआ और भारतीय मुद्रा ने निचले स्तर से 6 पैसे की रिकवरी करके 86.36 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। कैपेक्स गोल्ड एंड इंवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी के साथ वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल ने आज भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई।

उनके अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत आज मामूली गिरावट आई है, इसके बावजूद मार्केट एक्सपर्ट्स के बीच इसकी कीमत में जल्दी ही तेजी आने की आशंका बनी हुई है। कीमत में तेजी आने की इस आशंका का असर आज मुद्रा बाजार में डॉलर की कीमत में तेजी के रूप में भी नजर आ रहा है।भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी आज कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 42 पैसे की कमजोरी के साथ 116.56 के स्तर पर लुढ़क गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 61 पैसे की गिरावट के साथ 101.10 के स्तर तक पहुंच गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी के प्रमुख नेताओं को 10 वर्ष जेल की सजा

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर और सरगोधा की दो अदालतों ने रात करीब साढ़े नौ बजे अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कई नेताओं को 10 वर्ष के जेल की सजा सुनाई। इन सभी के खिलाफ 09 मई, 2023 को इमरान की भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद देश में फैली हिंसा के आरोप में दर्ज मामलों पर यह फैसला आया है। डान अखबार की खबर के अनुसार, लाहौर आतंकवाद-रोधी अदालत के जज अरशद जावेद ने कोट लखपत जेल में रात करीब साढ़े नौ बजे शेरपाओ ब्रिज हिंसा मामले में फंसे पीटीआई नेताओं की मौजूदगी में यह फैसला सुनाया। अदालत ने डॉ. यास्मीन राशिद, सीनेटर एजाज चौधरी, पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा और पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पीटीआई के चार वरिष्ठ नेताओं के अलावा जज ने अफजाल अजीम पहाट, अली हसन, खालिद कयूम और रियाज हुसैन समेत कई आरोपितों को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, अदालत ने पीटीआई के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी को बरी कर दिया। लाहौर में 09 मई को हुए दंगों से जुड़े किसी भी मामले में यह पहला फैसला है।

कूलिंग-ऑफ पीरियड प्रावधान को लेकर नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने दी समर्थन वापसी की चेतावनी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) सिविल सेवा विधेयक में कूलिंग-ऑफ पीरियड प्रावधान के संबंध में राज्य मामलों और सुशासन समिति की सिफारिश के खिलाफ जाती है तो वह सरकार को जारी समर्थन वापस ले सकती है। नेपाली कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शर्मा ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के अवकाश के तुरंत बाद राजनीतिक नियुक्ति के प्रावधान का नेपाली कांग्रेस कभी समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिन लोगों ने कूलिंग-ऑफ अवधि के संबंध में गलत काम किया है, उन्हें दंडित किया जाएगा। इसे दो साल से बढ़ाकर ढाई साल किया जा सकता है, लेकिन इसे हटाया नहीं जाएगा। नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री केपी ओली की पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा नेशनल असेंबली के माध्यम से इसे बदलने केलिए जो संशोधन प्रस्ताव रखा है वह गठबंधन के फैसले के खिलाफ है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली को इस पर अपनी धारणा को स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस महासचिव शर्मा ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री के निर्देश पर इस कूलिंग पीरियड को हटाने का कोई प्रयास किया जाता है, या सरकार समिति की सिफारिश के खिलाफ काम करती है, तो कांग्रेस इस सरकार का समर्थन नहीं करती रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीति में वापसी पर प्रधानमंत्री ओली ने लगाया ब्रेक

काठमांडू। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के सक्रिय राजनीति में आने की घोषणा पर पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने ब्रेक लगा दिया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) की केंद्रीय समिति की बैठक में भंडारी की पार्टी सदस्यता खारिज करने और सक्रिय राजनीति में कोई भूमिका नहीं देने का निर्णय किया गया है। सीपीएन-यूएमएल ने निष्कर्ष निकाला है कि पूर्व राष्ट्रपति भंडारी, जिन्होंने नेपाल सेना के राष्ट्राध्यक्ष और कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है, उन्हें पार्टी की राजनीति में वापस नहीं लौटना चाहिए। यूएमएल के प्रचार प्रमुख राजेंद्र गौतम के अनुसार, मंगलवार को आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक के दौरान पार्टी ने निष्कर्ष निकाला कि एक पूर्व राष्ट्रपति को जो गणतंत्र का प्रतीक होता है उन्हें पार्टी का नेता या कैडर बनाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा। मध्यरात तक चली पार्टी बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग में गौतम ने कहा कि पार्टी पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का सम्मान करती है, लेकिन जिस व्यक्ति ने इस तरह का उच्च संवैधानिक पद संभाला है, उसे फिर से किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की भागीदारी राष्ट्रपति पद की गरिमा को कमजोर करेगी और जनता की आलोचना को आमंत्रित करेगी।

अमेरिका ज़रूरत पड़ने पर ईरान पर नए हमले करेगा : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ज़रूरत पड़ने पर अमेरिका ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर नए हमले कर सकता है। श्री ट्रम्प ने कल एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि अमेरिका के हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है और अगर जरुरत पड़ी तो अमेरिका फिर से ईरान पर हवाई हमले करेगा। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा था कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं रोकेगा । गौरतलब है कि गत 13 जून को, इज़रायल ने ईरान पर गुप्त रूप से परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाने के बाद उसके ख़िलाफ़ सैन्य अभियान शुरू किया। ईरान पर हुए हवाई हमलों में परमाणु प्रतिष्ठानों, सैन्य नेतृत्व और हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया और जिसमें उसके कई सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई।

एपस्टीन विवाद के बीच ट्रंप ने ओबामा पर लगाया देश से 'विश्वासघात' का आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर देश से 'विश्वासघात' का आरोप लगाया, जिसके बाद ओबामा के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया सामने आई। प्रवक्ता ने इन आरोपों को 'बेतुका' और ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश बताया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, जब मीडिया ने ट्रंप से दिवंगत अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले पर सवाल किया, तो उन्होंने ओबामा को टारगेट करना शुरू कर दिया। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की और पकड़े गए। इसके लिए सख्त सजा होनी चाहिए। यह देश से विश्वासघात था। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को गिरोह का मुखिया बताते हुए आरोप लगाया कि

डेमोक्रेट्स ने 2016 से लेकर 2020 तक चुनावों में कथित तौर पर हेराफेरी की। इस पार्टी में जो बाइडेन और हिलेरी क्लिंटन भी शामिल हैं। अभी तक डेमोक्रेट्स की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन ओबामा के प्रवक्ता ने पहले ही ट्रंप के आरोपों को बेतुका और ध्यान भटकाने का प्रयास बताया है।पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रवक्ता पैट्रिक रोडनबश ने कहा, राष्ट्रपति पद के सम्मान में, हमारा कार्यालय आमतौर पर व्हाइट हाउस से निरंतर आने वाले झूठ और गलत जानकारी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता, लेकिन यह दावे इतने अपमानजनक हैं कि इन पर प्रतिक्रिया देना जरूरी है। यह अजीबो-गरीब आरोप पूरी तरह से बेतुके हैं। यह ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राजनीतिक और व्यावसायिक दिग्गजों से व्यापक संबंध रखने वाले जेफरी एपस्टीन पर यौन अपराधों के आरोप लगे थे। उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अगस्त 2019 में जेल में उनकी मौत हो गई, जिसे आधिकारिक तौर पर आत्महत्या करार दिया गया। एपस्टीन के अमेरिका की राजनीतिक और कारोबारी हस्तियों से गहरे संबंध थे। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि अगर वह दोबारा चुने जाते हैं।

श्रीलंका की सरकारी एयरलाइंस में हुए भ्रष्टाचार की जांच नए सिरे से कराने का फैसला

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका की सरकारी 'एयरलाइंस लिमिटेड और एयरपोर्ट एंड एविएशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड' में हुए भ्रष्टाचार की परतें जल्द खुल सकती हैं। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने नए सिरे जांच कराने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि जांच से दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा। जांच के दायरे में 2010 से 2025 के बीच हुए सौदों को भी शामिल किया गया है। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार, श्रीलंका की सरकार ने सरकारी एयरलाइंस में हुई धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों की जांच के लिए विशेष राष्ट्रपति जांच समिति गठित की है। इस समिति ने बीते कल राष्ट्रपति सचिवालय में बैठक के दौरान दिसानायके से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि लंबे समय से चल रहे कुप्रबंधन और उचित जांच के अभाव ने दोनों संस्थानों ने विश्वसनीयता खो दी है। प्रभावी अंकुश न होने के कारण बेधड़क गोलमाल होता रहा। उन्होंने समिति से कहा कि तत्काल जांच करकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इस रिपोर्ट में कदाचार रोकने के उपाय भी शामिल किए जाएं। इस समिति में राष्ट्रपति के अतिरिक्त सचिव केएनएम कुमारसिंघे को सचिव और संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति के सदस्यों में सेवानिवृत्त महालेखा परीक्षक एचएम गामिनी विजेसिंघे, सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक सीमा शुल्क ज्ञानसिरी सेनानायके, राष्ट्रीय बचत बैंक के अध्यक्ष दुशांत बसनायके, अटॉर्नी-एट-लॉ, डॉन चामिंडा जे. अथुकोराला और सार्वजनिक उद्यम विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक एनएएचके विजेरत्ने हैं। जांच के दायरे में श्रीलंकाई एयरलाइंस और हवाई अड्डे एवं विमानन सेवाओं को शामिल किया गया है।

अमेरिका से जापान ने की ट्रेड डील, देना होगा 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ

एजेंसी

वाशिंगटन । दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील हो गई है। इस डील के तहत अमेरिका, जापानी प्रोडक्ट्स पर 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाएगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ट्रेड डील के तहत उनके प्रशासन ने जापानी उत्पादों पर 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाने का फैसला किया है, जो कि पहले लगाए गए टैरिफ से 10 प्रतिशत कम है।ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह घोषणा ऐसे समय में की है, जब दक्षिण कोरिया और अन्य देश अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे अधिक रेसिप्रोकल ट्रैरिफ से बचा जा सके या उन्हें कम किया जा सके। अमेरिकी प्रशासन द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की तारीख 1 अगस्त निर्धारित की गई है। अपने सोशल मीडिया हैंडल ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जापान अपने देश को कारों और ट्रकों, चावल और कृषि उत्पादों एवं अन्य चीजों सहित व्यापार

के लिए खोल देगा। हालांकि, जापान, अमेरिका को 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ देगा। इस महीने की शुरुआत में जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा को लिखे एक पत्र में, ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका जापान पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा, जो ट्रंप द्वारा शुरू में घोषित टैरिफ से एक प्रतिशत अधिक है। ट्रंप ने जापान के साथ हुए इस समझौते को शायद अब तक का सबसे बड़ा समझौता बताया और कहा कि एशियाई देश ने अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जिसका 90 प्रतिशत लाभ उसे मिलेगा। उन्होंने निवेश योजना के बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, इस समझौते से लाखों नौकरियां पैदा होंगी, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इससे पहले, ट्रंप ने फिलीपींस के साथ भी एक समझौते की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश 19 प्रतिशत टैरिफ का भुगतान करेगा।

गाजा युद्ध में पूरी जीत जरूरी : इजरायली रक्षा मंत्री

एजेंसी

यरूशलम । इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि गाजा में चल रहे युद्ध में पूरी तरह से जीत हासिल करना जरूरी है। मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, काट्ज ने इजरायली सेना प्रमुख इयाल ज़मीर और अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ हालात की समीक्षा के दौरान यह बात कही। काट्ज ने कहा, हम युद्ध के लक्ष्यों को पाने के सबसे क़रीब हैं। अभी दो जगह बची हैं - गाजा और यमन। हमें दोनों मोर्चों पर पूरी जीत के लिए काम करना होगा। समाचार एजेंसी के अनुसार, यह बयान ऐसे समय आया है जब कतर की राजधानी दोहा में गाज़ा युद्ध विराम को लेकर बातचीत चल रही है और इजरायली मीडिया में कुछ प्रगति की खबरें भी आई हैं। बयान के अनुसार, काट्ज़ ने युद्ध के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के महत्व पर ज़ोर दिया, जिसमें मुख्यतः सभी इजराइल बंधकों की

वापसी और हमास का आत्मसमर्पण शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ईरान के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू हो सकता है। उन्होंने पिछले महीने के छोटे युद्ध में मिली उपलब्धियों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की बात कही कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम दोबारा शुरू न कर पाए।काट्ज़ ने यह भी कहा कि सीरिया और लेबनान सहित विभिन्न क्षेत्रों में नियंत्रण बिंदुओं और सुरक्षा क्षेत्रों में इजरायली सेना की उपस्थिति इजरायल समुदायों की रक्षा के लिए एक सुरक्षा आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इजरायली सेना पश्चिमी तट के शरणार्थी शिविरों में रहेगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त शिविरों में भी काम करेगी।

पार्टी की ओर से बढ़ते दबाव के बीच जापानी प्रधानमंत्री ने इस्तीफा देने के संकेत दिए

एजेंसी

टोक्यो । जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अपने करीबियों को बताया है कि वह अगस्त तक अपने पद से हट सकते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए हाउस ऑफ काउंसिलर्स के चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी हार की आंतरिक समीक्षा के बाद यह इच्छा जताई है। यह जानकारी मैनिची अखबार ने दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, इशिबा बुधवार को अपने राजनीतिक भविष्य पर चर्चा के लिए एलडीपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि, शुरू में इशिबा ने चुनावी झटके के बावजूद पद पर बने रहने का ऐलान किया था, लेकिन पार्टी के भीतर उनके इस्तीफे की मांग अब तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके पद

छोड़ने की सटीक तारीख अभी तय नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि अमेरिका और जापान के बीच एक ट्रेड डील हुई है, जिसमें अमेरिका में जापान से आने वाले इंपोर्ट पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। जब प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से इस व्यापार समझौते के उनके राजनीतिक भविष्य पर प्रभाव को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं तब तक कोई टिप्पणी नहीं कर सकता, जब तक समझौते की विषय-वस्तु की पूरी तरह से जांच नहीं कर लेता। इशिबा को उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर से विरोध का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसिलर्स) के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन की करारी हार के बावजूद सरकार में बने रहने का वादा किया था। यह चुनाव उस वक्त हुआ, जब जापान में बढ़ती महंगाई से लोग परेशान हैं। इसके साथ ही टैरिफ को लेकर भी लोग चिंतित हैं। एक प्रेस वार्ता में इशिबा ने कहा था, मैं पद पर बना रहूंगा और इन चुनौतियों को सुलझाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा। उम्मीद है कि जापानी प्रधानमंत्री बुधवार को चुनाव परिणामों पर चर्चा करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के बड़े नेताओं से मिलेंगे।

बांग्लादेश में ट्रक और बस में टक्कर, छह लोगों की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के राजशाही विभाग के ग्राणीण क्षेत्र में आज सुबह हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। फिलहाल एक मृतक की पहचान हो सकी है। कुछ लोग घायल हैं। उन्हें पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर में बोनपारा हाइवे पुलिस थाना प्रभारी इस्माइल हुसैन के हवाले से बताया गया है कि सुबह लगभग 9:30 राजशाही विभाग के ग्रामीण क्षेत्र के नाटोर जिला के बरईग्राम उपजिला में ट्रक और मिनी बस के बीच हुई टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना बोनपारा-हतीकुमरुल राजमार्ग पर एयरमारी में तारमुज पंप क्षेत्र के सामने हुई। मृतकों में अभी तक केवल बस चालक 32 वर्षीय रुबेल हुसैन की पहचान हो पाई है। वह मेहरपुर के गंगनी उपजिला का रहने वाला है।हाइवे थाना प्रभारी हुसैन ने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग बस यात्री हैं। यह बस मेहरपुर से ढाका जा रही थी। एयरमारी में विपरीत दिशा से आ रहे सीमेंट से लदे ट्रक से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। चालक रुबेल हुसैन समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बरईग्राम उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया। वहां एक घायल ने दम तोड़ दिया। शेष घायल यात्रियों को बाद में राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शी मिजानुर रहमान के अनुसार, बस एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी तभी उसकी टक्कर सामने से आ रहे ट्रक से हो गई। मारे गए छह लोगों में चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। हाइवे पुलिस के अनुसार, ट्रक को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

अमेरिका ने यूनेस्को से अपनी वापसी की घोषणा की

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । अमेरिका ने यूनेस्को से अपनी वापसी की घोषणा कर दी है। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यूनेस्को विभाजनकारी सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को बढ़ावा दे रहा है और सतत विकास पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में यह दूसरी बार है जब अमेरिका पेरिस स्थित यूनेस्को से अलग हो रहा है। वाशिंगटन दो साल पहले अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के कार्यकाल में इसमें फिर से शामिल हुआ था।नोटिस जारी करने के बाद, ब्रूस ने कहा कि यह वापसी अगले साल के अंत में प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि यूनेस्को का अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए वैश्विक, वैचारिक एजेंडा हमारी अमेरिका प्रथम विदेश नीति के विपरीत है और यूनेस्को में निरंतर भागीदारी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय हित में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र

महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा,'यूनेस्को की स्थापना के बाद से अमेरिका ने इसमें जो प्रमुख भूमिका निभाई है, उसे देखते हुए, उन्हें इस वापसी पर गहरा खेद है। ट्रंप प्रशासन के लिए प्रमुख मुद्दे यूनेस्को की इजरायल विरोधी नीतियों को लेकर हैं, जिनका वह इजराइल के साथ विरोध करता है, और फिलिस्तीन की सदस्यता है। ब्रूस ने कहा, 'फिलिस्तीन राज्य' को सदस्य राज्य के रूप में स्वीकार करने का यूनेस्को का निर्णय अत्यधिक समस्याग्रस्त है। यह अमेरिकी नीति के विपरीत है, और इसने संगठन के भीतर इजरायल विरोधी बयानबाजी को बढ़ावा दिया है।अमेरिका का यूनेस्को से बाहर होना, ट्रंप द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की तीखी आलोचना और उनसे खुद को अलग करने के अनुरूप है।

कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को अलग कर लिया, कोविड महामारी से निपटने के उसके तरीके की आलोचना की और उस पर अपनी भूमिका का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक शाखा की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने कहा कि अमेरिका का यह निर्णय बहुपक्षवाद के मूलभूत सिद्धांतों के विपरीत है, और सबसे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में हमारे कई साझेदारों को प्रभावित कर सकता है - वे समुदाय जो विश्व धरोहर सूची में स्थान पाने, रचनात्मक शहर का दर्जा पाने और विश्वविद्यालय अध्यक्ष बनने की इच्छा रखते हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि यह खेदजनक है, लेकिन इस घोषणा की उम्मीद थी, और यूनेस्को ने इसके लिए तैयारी कर ली है। 2023 में यूनेस्को को अमेरिका का योगदान 28 मिलियन डॉलर था, जो संगठन के बजट का 22 प्रतिशत था अजोले ने कहा, आज, बड़ी संख्या में सदस्य देशों और निजी योगदानकर्ताओं के निरंतर समर्थन से संगठन वित्तीय दृष्टि से बेहतर संरक्षित है, जिससे अमेरिकी योगदान घटकर 8 प्रतिशत रह गया है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका ने किया 'भारत-पाक तनाव' कम कराने का दावा, भारत ने कहा- आपसी बातचीत से सुलझा मुद्दा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को दोहराया है कि उन्होंने मई में भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद को सुलझाया था, लेकिन भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि यह मामला द्विपक्षीय रूप से हल किया गया। कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि डोरोथी शीया ने कहा कि पिछले तीन महीनों में अमेरिकी नेतृत्व की भूमिका में जिन तनावपूर्ण संघर्षों को कम किया गया, उनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव भी शामिल है। यह तनाव पहलगाम में 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' की ओर से आतंकवादी हमले के बाद पैदा हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप को उस दावे को दोहराया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति अक्सर करते आए हैं। डोरोथी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दोनों पक्षों को इन प्रस्तावों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसकी हम सराहना और समर्थन करते हैं।

दूसरी ओर, भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने दृढ़ता से कहा कि यह पाकिस्तान के भारत से अनुरोध पर सीधे तौर पर संपन्न हुआ था।उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने जब अपने प्राथमिक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया, तो पाकिस्तान के अनुरोध पर सैन्य गतिविधियों को सीधे तौर पर रोक कर दिया गया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक केंद्रित, नपी-तुली और गैर-उत्तेजक कार्रवाई थी। हरीश ने बताया कि यह अभियान सुरक्षा परिषद के उस बयान से प्रेरित था, जिसमें पहलगाम हमले के अपराधियों, योजनाकारों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जिम्मेदार ठहराने की जरूरत पर जोर दिया गया।

इस अभियान के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया। डोरोथी और पी. हरीश, सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान विषय पर खुले विमर्श के दौरान बोल रहे थे, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इसहाक डार ने की। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष रुकवाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी उनके इस दावे का समर्थन किया है।

पाकिस्तान में मानसून का कहर, नदी-नाले उफान पर, भूस्खलन, रास्ते बंद, 234 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मानसून से त्राहिमाम-त्राहिमाम है। बरसात, बाढ़ और भूस्खलन से रास्ते बंद हो गए हैं। बादलों के फटने से बड़ी तबाही हुई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के ताजा आंकड़े हृदयविदारक हैं। इन आंकड़ों में 26 जून से अब तक कम से कम 234 लोगों की मौत होने की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि 596 लोग घायल हुए हैं और 826 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राहत, बचाव और खोज अभियान में सेना को शामिल किया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर में एनडीएमए के ताजा आंकड़े साझा किए गए हैं। कहा गया है कि अब तक 203 पशुओं की मौत हो चुकी है। बड़े पैमाने पर परिवार विस्थापित हुए हैं। मुल्क में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ। राहत, बचाव और खोज अभियान के तहत 450 लोगों को बचाया गया है। प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 27 राहत और चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है। उत्तरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कभी भी बारिश शुरू हो सकती है। गिलगित-बाल्तिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थिति गंभीर है। डायमर के उपायुक्त अत्ता-उर-रहमान के अनुसार, सोमवार को बादल फटने से बाबूसर में चार पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

ढाका विमान हादसा :बांग्लादेश सरकार ने सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों पर की कार्रवाई, भड़की अवामी लीग

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में हाल ही में हुए विमान हादसे के बाद प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिस पर मुहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कार्रवाई की। हालांकि, अब अवामी लीग ने सरकार की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 75 छात्र घायल हुए, जिनका ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज किया गया। हादसे की जगह और बांग्लादेश की राजधानी में सचिवालय भवन के बाहर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हुए, जिसमें छात्रों ने अंतरिम सरकार के शिक्षा सलाहकार और शिक्षा सचिव के तत्काल इस्तीफे की मांग की। इस विमान हादसे में अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें ज्यादातर बच्चे बताए जा रहे हैं, और 165 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

अंतरिम सरकार के कानून और शिक्षा सलाहकारों के साथ-साथ युनुस के प्रेस सचिव को छात्रों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। वे इस हादसे के बाद निरीक्षण के लिए संस्थान का निरीक्षण करने के लिए गए थे। छात्रों ने उनके इस्तीफे की मांग की और कहा कि सरकार ने हादसे से संबंधित गलत जानकारी दी है।अवामी लीग ने जारी एक बयान में कहा, माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज में फाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और कर्मचारियों पर व्यवस्थित रूप से अत्याचार, धोखा और दमन किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में हताहतों की संख्या छिपाने से लेकर कानून प्रवर्तन बलों को तैनात करने, साउंड ग्रेनेड, आंसू गैस और असली गोलियों का इस्तेमाल करने तक, इस शासन ने राष्ट्रीय संकट के समय राष्ट्र के कल्याण में पूरी तरह विफलता दिखाई है।बयान में आगे कहा गया, हताहतों की सूची को पारदर्शी रखने के बजाय, शासन ने प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए कानून प्रवर्तन बलों को उतारा, ताकि राष्ट्र को अंधेरे में रखा जाए। हताहतों की सूची बताने की बार-बार की मांग के बावजूद, दुखी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों पर पुलिस ने हमला किया, मानवाधिकारों की पूरी तरह अनदेखी की, जिससे परिवारों और साथी छात्रों को और भी अधिक आघात पहुंचा है। पार्टी ने दावा किया कि सलाहकारों को हटाने की मांग के साथ सड़कों पर लाखों छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि युनुस शासन अपनी विश्वसनीयता खो चुका है। अवामी लीग ने कहा, जनता का गुस्सा तब साफ दिखाई दिया, जब यूनुस शासन के दो सलाहकारों और प्रेस सचिव को दुर्घटनास्थल के दौरे के दौरान स्कूल के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने मृतकों की संख्या के बारे में गवाहों के बयानों को गलत सूचना बताकर खारिज कर दिया।अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए पार्टी ने जोर देकर कहा कि माइलस्टोन कॉलेज सहित कई जगहों पर छात्रों और शिक्षकों पर कानून प्रवर्तन बलों की तैनाती और साउंड ग्रेनेड, असली गोलियों और घातक हथियारों का इस्तेमाल न केवल शासन की मानवाधिकारों को बनाए रखने की जिम्मेदारी को कमजोर करता है, बल्कि राष्ट्रीय संकट के चरम पर भी उसकी ताकत पर निर्भरता को उजागर करता है। पार्टी ने कहा, हम इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसने देशव्यापी प्रदर्शन भड़का दिए। मरीजों को अस्पतालों में प्रवेश करने से रोका गया, जबकि राजनीतिक दलों के नेताओं और सलाहकारों को अस्पताल में जाने और पीड़ितों के साथ फोटो खिंचवाने की अनुमति दी गई, जो चिकित्सा सेवाओं को बाधित करके राजनीतिक अंक हासिल करने का एक बर्बर प्रदर्शन है। बांग्लादेश में अराजकता को उजागर करते हुए अवामी लीग ने आगे कहा, विमान हादसे के पीड़ितों के लिए रक्तदान करने आए स्वयंसेवकों पर पुलिस की मौजूदगी में हमला किया गया।

रजनीगंधा की खेती

रजनीगंधा की खेती खुशबूदार और आकर्षक फूलो को प्राप्त करने के लिए की जाती है । इसके फूल सफ़ेद रंग के होते है, जो अधिक समय तक ताजे बने रहते है। इसी के फूलो से गजरा बनाते है, जिसे महिलाओ द्वारा श्रृंगार के रूप में इस्तेमाल में लाया जाता है। इसके अलावा फूलो का उपयोग आयुर्वेदिक दवाइयों को बनाने के लिए भी किया जाता है। रजनीगंधा के फूलो से खुशबूदार तेल भी निकालते है, जिस वजह से बाज़ारो में रजनीगंधा फूल की मांग सबसे अधिक रहती है। इसके तेल को इत्र और परफ्यूम बनाने के लिए इस्तेमाल में लाते है।

रजनीगंधा के तेल से बनाये गए इत्र और परफ्यूम की कीमत बाज़ारो में काफी अधिक रहती है। भारत में रजनीगंधा की खेती तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में विशेष रूप से की जाती है। किसान भाई रजनीगंधा की खेती से अधिक मुनाफा भी कमाते है। यदि आप भी रजनीगंधा की खेती करना चाहते है, तो इस लेख में आपको रजनीगंधा की खेती कैसे करे के बारे में जानकारी दी जा रही है।

रजनीगंधा की खेती में सहायक मिट्टी

रजनीगंधा की खेती में किसी खास तरह की भूमि की जरूरत नहीं होती है। बलुई दोमट और उचित जल निकासी वाली भूमि में इसकी खेती आसानी से कर सकते है। अच्छी उपजाऊ भूमि में अधिक मात्रा में फूल प्राप्त होते है। हल्की अम्लीय और क्षारीय भूमि में भी इसकी खेती कर सकते है। इसकी खेत में भूमि का P.H. मान 6.5 से 7.5 तक हो।

रजनीगंधा फसल के लिए उपयुक्त जलवायु और तापमान

समशीतोष्ण जलवायु में रजनीगंधा का उत्पादन अधिक मात्रा में किया जाता है। इसके पौधे गर्म और आद्र जलवायु में ज्यादा और ठीक तरह से खिलते है। जिससे पैदावार भी अच्छी प्राप्त होती है। इसके फूलो को ठीक तरह से खिलने के लिए सूर्य की धूप की जरूरत होती है, इसलिए छायादार जगह पर इसकी खेती बिल्कुल न करे।

रजनीगंधा के पौधे सामान्य तापमान पर अच्छी पैदावार देते है। इसके पौधों के लिए अधिकतम 35 और न्यूनतम 15 डिग्री पर्याप्त होता है।

रजनीगंधा की उन्नत किस्में

आज के समय में रजनीगंधा की कई किस्में बाज़ारो में देखने को मिल जाती है। कई किस्में ऐसी भी होती है, जिन्हे संकरण के माध्यम से तैयार किया जाता है। इन सभी क़िस्मों को एकहरी और दोहरी श्रेणी में बांटा गया है, जो इस प्रकार है:--

एकहरी श्रेणी की उन्नत क़िस्म

रजत रेखा इस एकहरी श्रेणी वाली क़िस्मि को एन बी आर आई और एन बी आर के माध्यम से तैयार किया गया है। इसके पौधों पर निकलने वाले फूलो में सिल्वर और सफ़ेद रंग की धारियां और पत्तियां सुरमई रंग की पाई जाती है।

श्रृंगार रजनीगंधा की यह एक संकर एकहरी क़िस्मि है, जिसे NBRI बैंगलोर द्वारा मैक्सिकन सिंगल और डबल का संकरण कर बनाया गया है। इसमें निकलने वाले फूलो का आकार बड़ा होता है, तथा कली हल्का गुलाबी रंग लिए हुए होती है। यह क़िस्मि प्रति हेक्टेयर के हिसाब से 20 क्विंटल का उत्पादन दे देती है।

प्रज्जवल रजनीगंधा की इस क़िस्मि को बैंगलोर के एन बी आर आई द्वारा मैक्सिकन सिंगल का संकरण कर तैयार किया गया है। इस क़िस्मि के फूलो का वज़न सामान्य से थोड़ा अधिक होता है। यह क़िस्मि अधिक पैदावार देने के लिए जानी जाती है।

रजनीगंधा की दोहरी श्रेणी वाली किस्में

स्वर्ण रेखा यह एक दोहरी श्रेणी वाली क़िस्मि है, जिसे सजावट के लिए अधिक उपयोग में लाया जाता है। इस क़िस्मि को लखनऊ के एन बी आर आई की गामा किरणों के द्वारा तैयार किया गया है। इसमें निकलने वाली पत्तियों के किनारे पर पीली रेखाएं होती है।

सुवासिनी रजनीगंधा की यह क़िस्मि अन्य दोहरी श्रेणी वाली क़िस्मों की तुलना में अधिक उत्पादन देने के लिए जानी जाती है। इसे बंगलूर में एन बी आर आई द्वारा मैक्सिकन सिंगल और डबल का संकरण कर तैयार किया गया है।

वैभव इस क़िस्मि की पैदावार सुवासिनी क़िस्मि से अधिक पाई जाती है। इसके पौधों में निकलने वाले फूल सफ़ेद रंग के होते है, जिस पर हरे रंग की कली निकलती है। इस तरह के फूलो को विशेष रूप से कट फ्लावर के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रजनीगंधा के खेत की तैयारी

रजनीगंधा के खेत को तैयार करने के लिए आरम्भ में खेत की गहरी जुताई कर दी जाती है। इसके बाद नष्ट हुई फसल के अवशेषों को खेत से निकाल कर खेत की सफाई कर दी जाती है। जुताई के पश्चात् ही खेत में गोबर की खाद डालकर मिट्टी में अच्छे से मिला दिया जाता है। इसके लिए खेत में कल्टीवेटर लगाकर खेत की जुताई की जाती है। गोबर मिली मिट्टी में पानी लगा दिया है। पानी लगाने के कुछ दिन बाद एक बार फिर से जुताई कर खेत की मिट्टी को भुरभुरा कर दिया जाता है। इस भुरभुरी मिट्टी में पाटा लगाकर खेत को समतल कर देते है।

रजनीगंधा के बीज की रोपाई का तरीका और समय

चूंकि रजनीगंधा की फसल बुवाई बीज के रूप में की जाती है। इसके बीजो की रोपाई पैदावार प्राप्त करने के तरीके पर की जाती है। यदि आप पौधों से तेल प्राप्त करने के लिए पैदावार चाहते है, तो खेत में 20 CM की दूरी पर कतारों को तैयार कर ले। इन कतारों में पौध रोपाई 15 CM की दूरी पर करे। इसके आलावा फूल के रूप में पैदावार प्राप्त करने के लिए उन्ही कतारों में पौधों को 20 ष्टरूकी दूरी पर लगाए। एक एकड़ के खेत में तक़रीबन एक लाख पौधों को लगाया जा सकता है।

रजनीगंधा के पौधों की रोपाई मैदानी भागो में फ़रवरी से मार्च माह के मध्य तक की जानी चाहिए। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में पौधों की रोपाई मई से जून महीने के मध्य की जाती है। इस दौरान पौधों को पर्याप्त मात्रा में धूप है, जिससे पौधों पर फूल भी अधिक मात्रा में खिलते है।

रजनीगंधा के खेत में उवर्रक

रजनीगंधा की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए खेत की मिट्टी में उचित मात्रा में उवर्रक जरूर दे। इसके लिए जब खेत की पहली जुताई की जाती है, तब उसमे 10 से 15 गाड़ी पुरानी गोबर की खाद के साथ कम्पोस्ट खाद भी डाली जाती है। इसके अतिरिक्त एन.पी.के 1:2:1 की मात्रा का छिड़काव प्रति हेक्टेयर के खेत में आखरी जुताई के समय करे।

जब खेत में लगा बीज पूरी तरह से अंकुरित हो चुका हो, तब प्रति हेक्टेयर के खेत में 50 ज्ञ्ल यूरिया का छिड़काव करे, तथा पौधों पर फूल खिलने के दौरान पोटेशियम साइट्रेट, ऑर्थोफॉस्फोरिक अम्ल और यूरिया को मिलाकर उसके मिश्रण का छिड़काव पौधों पर करे। इससे पौधों पर फूल अधिक मात्रा में आते है।

रजनीगंधा के पौधे की सिंचाई

रजनीगंधा के पौधों को पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर दे। इसलिए इसकी पहली सिंचाई बीज रोपाई के तुरंत बाद की जाती है, तथा बीज अंकुरण तक खेत में नमी बनाये रखे। खेत में नमी बनाये रखने के लिए हल्की- हल्की सिंचाई करते रहना होता है। जब पौधे अंकुरित हो चुके होते है, तो अधिक पानी नहीं देना होता है। इसके पौधों पर फूल तैयार होने तक 7 से 10 सिंचाई करनी होती है। बारिश के मौसम में जरूरत पड़ने पर ही पौधों को पानी दे।

रजनीगंधा की फसल में खरपतवार नियंत्रण पर विशेष ध्यान दे। क्योकि खरपतवार पौधों को अधिक नुकसान पहुँचाती है। इसके लिए नीलाई-गुड़ाई कर खेत से खरपतवार को निकाल दे। जब भी खरपतवार नियंत्रण के लिए गुड़ाई करे उसके बाद पौधों पर मिट्टी अवश्य चढ़ा दे। रजनीगंधा की फसल को केवल दो 2 से 3 गुड़ाई की आवश्यकता होती है। इसकी पहली गुड़ाई बीज रोपाई के एक माह बाद की जाती है, तथा बाद की गुड़ाइयो को 15 दिन के अंतराल में करना होता है। रासायनिक विधि से खरपतवार को रोकने के लिए एट्राजीन या डायुरान की उचित मात्रा का छिड़काव खेत में पौध रोपाई से पूर्व करे।

रजनीगंधा के पौध रोग व उपचार

1. फफूंदी रोग

तना सड़न (सक्लेरोशिअम रोल फसाई फफूंदी रोग) पोधों की जड़ो पर मैलाथियान या रोगर का छिड़काव करे।

कली सड़न (इरबीनी स्पेसिडा फफूंद रोग) पौधों पर स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 500 पी.पी.एम की उचित मात्रा का छिड़काव करे।

2. कीट रोग

. ग्रास हॉपर (कीट) मैलाथियान की उचित मात्रा का छिड़काव पौधों पर करे।

माहू और थ्रिप्स (कीट) मोनोक्रोटोफॉस का छिड़काव पौधों पर करे।

निमेटोड पौधों की जड़ो पर कार्बोफ्यूरान या थाइमेट का छिड़काव करे।

3. वायरस जनित रोग

तंबाकू मोज़ेक वायरस पौधों पर फिप्रोनिल का छिड़काव करे।

रजनीगंधा के पौधों पर बीज रोपाई के 4 माह पश्चात् फूल आना शुरू कर देते है। इसके बाद जब फूल पूरी तरह से खिल चुका हो, तब उसकी तुड़ाई कर ले। यदि फूलो को कट फ्लॉवर के लिए तोड़ना चाहते है, तो एक डंठल पर दो से तीन फूल आ जाने पर उसे डंठल सहित तोड़ ले। फूलो की तुड़ाई के बाद उन्हें सूती कपड़े से बांधकर छायादार जगह पर रख दे।

इसके फूलो की तुड़ाई 5 ष्टरूकी दूरी लेते हुए डंडी के साथ करे। इससे पौधे का बल्व सुरक्षित रहता है, जिससे उन्हें उखाड़कर दोबारा लगा सकते है। इन बल्वों को कार्बेन्डाजिम का पानी के साथ मिश्रण बनाकर उसमे आधे घंटे तक डूबा कर रख दे, इससे बल्व संरक्षित रहता है। इन फूलो को 1। दिन के लम्बे समय तक संरक्षित कर सकते है, जिससे इन फूलो को लम्बी दूरी पर भी सरलता से भेजा जा सकता है।

एक हेक्टेयर के खेत से तक़रीबन 80 क्विंटल रजनीगंधा के फूलो का उत्पादन प्राप्त हो जाता है। रजनीगंधा के फूलो का बाज़ारी भाव 20 रूपए प्रति किलो होता है। किसान भाई इसकी एक बार की फसल से डेढ़ से दो लाख तक कमा सकते है। इसके अलावा कम खर्च में बल्व तीन बार तक फिर से उगा सकते है, इससे आप दूसरे वर्ष भी लगभग उतनी ही कमाई कर सकते है।

एवोकैडो के फल स्वास्थ के लिए अधिक लाभकारी

एवोकैडो की खेती खास तरह के फलो को प्राप्त करने के लिए की जाती है । इसका फल स्वास्थ के लिए अधिक लाभकारी होता है । यह एक विदेशी फल है, जिसका प्रचलन आज कल भारत में भी अधिक देखने को मिल रहा है । यह अधिक पौष्टिक फल है, जिसमे पोटेशियम केले से भी अधिक पाया जाता है । दक्षिण अमेरिका और लेटिन के बहुत से व्यंजनों जैसे :-- चिपोतले चिलीस, गुयाकमोले, चोरीज़ों ब्रेकफ़ास्टस और टोमेटिल्लो सूप में एवोकैडो फल का उपयोग अधिक किया जाता है । लेकिन पिछले कुछ वर्षो से भारत में भी इस फल का इस्तेमाल तरह - तरह के व्यंजनों को बनाने के लिए किया जाने लगा है ।

इन्हे पकवान और डेज़र्ट के उपयोग से पहचान मिली है । इसके फलो में स्वास्थ संबंधित पोषक तत्व ओमेगा -3 फैटी एसिड, एवोकैडो फाइबर, विटामिन ए, बी, सी, ई और पोटेशियम युक्त पोषक तत्व मौजूद होते है, जो हमें तनाव से लड़ने में सहायता प्रदान करते है । दक्षिण मध्य मैक्सिको में इसकी खेती मुख्य रूप से की जाती है, तथा भारत में अब इसे उगाया जाने लगा है । यदि आप एवोकैडो की खेती करने का मन बना रहे है, तो इस लेख में हम आपको एवोकैडो की खेती कैसे करें और एवोकाडो फल कहाँ पाया जाता है तथा इसकी कीमत कितनी होती है, के बारे में बताएँगे ।

भारत में एवोकैडो की खेती बहुत ही कम मात्रा में की जाती है, किन्तु भारत के दक्षिणी इलाके में इसे व्यापारिक रूप से उगाया जाता है । जिन इलाको में एवोकैडो की खेती सबसे अधिक की जाती है, उनमे महाराष्ट्र में कूर्ग, तमिलनाडु की पहाड़ी ढलानों, के साथ-साथ केरल और कर्नाटक के कुछ भाग भी शामिल है । उत्तर भारत में केवल एक ऐसा राज्य है, जहां पर एवोकैडोस की फसल को सफलता पूर्वक उगाया जा रहा है। पूर्वी हिमाचल के सिक्किम राज्य में तक़रीबन 800 से 1600 मीटर की ऊंचाई पर एवोकैडो की खेती की जाती है ।

एवोकाडो फल क्या है

एवोकाडो का वैज्ञानिक नाम पर्सिया अमरीकाना है । यह एक तरह का खास फल है । जिसकी सर्वप्रथम उत्पत्ति तक़रीबन । हज़ार वर्ष पूर्व दक्षिणी मैक्सिको और कोलंबिया शहर में हुई थी । यह बेरी की तरह दिखने वाला बड़े आकार का गूदेदार फल होता है, जिसके अंदर एक बड़ा बीज निकलता है । जिस वजह से इसे एलीगेटर पियर्स नाम से भी जानते है । पूरी दुनिया में इसकी कई किस्मो को उगाया जाता है, जिसमे से हास एवोकाडो सबसे लोकप्रिय है । हास एवोकाडो क़िस्मि के फल को पोषक तत्व के मामले में महारत हासिल है । एवोकाडो का सेवन मानव शरीर के लिए फायदेमंद होता है, जो इस प्रकार है:--

एवोकाडो का सेवन ह्मदय स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी होता है ।

- पाचन शक्ति को मजबूत करे ।
- वजन घटाने में मददगार ।
- आँखों की रौशनी को बढ़ाता है ।
- एवोकाडो कैंसर के जोखिम से कम करता है ।
- मौखिक स्वास्थ्य में लाभदायक ।
- हड्डियों को मजबूत करे ।
- लिवर को स्वास्थ करने में सहायक ।
- किडनी को सुरक्षा प्रदान करे ।
- डायबिटीज को नियंत्रित करे ।
- दिमाग को विकसित करे ।
- झुर्रियों को कम करे ।
- सोराइसिस में लाभकारी ।
- बालों को मजबूत बनाये ।

एवोकैडो दक्षिण अमरीकी उपमहाद्वीप का पौधा है, जिस वजह से इसके पौधों को उष्ण कटिबंध जलवायु की आवश्यकता होती है । 20 से 30 डिग्री तापमान वाले क्षेत्र जहां पर 60 फीसदी तक नमी पायी जाती है, वहां इसकी पैदावार अच्छी प्राप्त होती है । इसके पौधे ठंडी में 5 डिग्री तक के तापमान को आसानी से सहन क़र लेते है, किन्तु 5 डिग्री से कम तापमान होने पर पौधा ख़राब होने लगता है । इसके अलावा 40 डिग्री से अधिक तापमान होने पर फल और फूल दोनों ही मुरझा क़र गिरने लगते है । जिस वजह से इन्हे तमिलनाडु और केरल में मुख्य रूप से उगाते है ।भारत के ज्यादातर भागो में लाल मिट्टी मौजूद होती है, तथा लाल मिट्टी को उत्पादन के लिहाज़ से अच्छा नहीं माना जाता है । क्योकि लाल मिट्टी में पानी का रुकाव नहीं होता है, जिससे मिट्टी में कम चिकनाई होती है । लेटेराइट मिट्टी में अधिक मात्रा में चिकनाई पायी जाती है, जिस वजह से लेटेराइट भूमि एवोकैडो की खेती के लिए उपयुक्त होती है । पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, केरल, तमिलनाडु के कुछ भाग और हरियाणा, पंजाब के ऊपरी भाग में इसकी खेती आसानी से क़र सकते है ।

इसके पौधों को 50-60 प्रतिशत नमी की जरूरत होती है । जिस वजह से हरियाणा, पंजाब और उत्तर पूर्वी राज्य व् दक्षिण भारत के पश्चिमी तट से पूर्वी क्षेत्र तक इसकी खेती की जा सकती है । एवोकैडो की अच्छी पैदावार के लिए प्रति वर्ष 100 स्रूवर्षा की जरूरत होती है, तथा भूमि का क्ष्॥. मान 5-6 तक होना चाहिए ।

एवोकैडो की उन्नत किस्में

भारत में एवोकैडो की उगाई जाने वाली किस्मे इस प्रकार है

- फुएर्टे
- पिंकर्टन
- हैस
- पर्पल
- पोलक
- ग्रीन
- राउंड
- पेराडेनिया पर्पल हाइब्रिड
- ट्रैप
- लॉन्ग
- फुएरते

एवोकैडो के बीज से पौध को तैयार क़र उनकी रोपाई की जाती है । इसके लिए बीजो को 5 डिग्री तापमान या फिर सूखे पीट में भंडारित क़र तैयार किया जाता है । इसके फलो से लिए गए बीजो को पॉलीथीन बैग या नर्सरी बेड पर सीधे तौर पर बुवाई के लिए इस्तेमाल करते है । नर्सरी में बीजो को 6 माह तक उगाने के बाद खेत में लगाने के लिए निकाल लेते है ।

सबसे पहले खेत की गहरी जुताई कर खरपतवार को निकाल दिया जाता है । इसके बाद खेत में पानी लगाकर पलेव कर देते है, पलेव से खेत की मिट्टी नम हो जाती है, नम भूमि में रोटावेटर लगाकर चलाने से मिट्टी भुरभुरी हो जाती है । भुरभुरी मिट्टी को पाटा लगाकर समतल करने के बाद खेत मेंपौध रोपाई के लिए 90X90 CM आकार वाले गड्डो को तैयार क़र लेते है । इसके बाद इन गड्डो में मिट्टी के साथ 1:1 के अनुपात में खाद को मिट्टी में मिलाकर फ़रवरी के माह में भर दिया जाता है । इसके अलावा पौधों को 8 से 10 मीटर की दूरी पर लगाया जाता है ।

एवोकैडो के फलों को नमी की जरूरत होती है । इसलिए खेत की पहली सिंचाई पौध रोपाई के तुरंत बाद की जाती है । इसके बाद शुष्क और गर्म जलवायु में पौधों को 3 से 4 सप्ताह में पानी देना होता है । सर्दियों के मौसम में मोलचिंग विधि का इस्तेमाल क़र नमी की कमी से बचाव किया जाता है । बारिश के मौसम में जरूरत पड़ने पर ही पौधों को पानी दे, तथा जल भराव होने पर खेत से पानी निकाल दे । इसलिए फसल की सिंचाई में ड्रिप विधि का इस्तेमाल करे ।

एवोकैडो की फसल में खरपतवार की रोकथाम

एवोकैडो की फसल को खरपतवार से बचाने के लिए निराई - गुड़ाई की जाती है । इसके अतिरिक्त जब पौधे छोटे होते है, तब रासायनिक तरीके से खरपतवार को नष्ट क़रते है । इसके लिए खरपतवारनाशी दवाइयों का इस्तेमाल किया जाता है ।

एवोकैडो फसल रोग व उपचार

एवोकैडो की फसल में स्केल्स, माइलबग्स और माइट्स जैसे सामान्य कीट आक्रमण करते है । जिसके बचाव के लिए उपयुक्त कीट नाशक का छिड़काव किया जाता है ।

एवोकाडो के खेत में फसल पर पत्ती का धब्बा, जड़ सड़न और फलों का धब्बा रोग आक्रमण करते है । जिसमे जड़ सड़न रोग से बचाव के लिए पौध रोपाई से पूर्व मिट्टी में मेटलैक्सिल को मिलाया जाता है । इसके अलावा कृषि विभाग या बागवानी विभाग से संपर्क क़र रोग से संबंधित दवाइयों का इस्तेमाल क़र रोगो की रोकथाम की जाती है ।

एवोकैडो का फल पौध रोपाई के 5 से 6 वर्ष पश्चात् तुड़ाई के लिए तैयार हो जाता है । इस दौरान आपको एवोकैडो के खेत से दो तरह के फल प्राप्त हो जाते है, जो हरे और बैगनी रंग के होते है ।

इसमें बैगनी किस्म वाले फल का रंग बैंगनी से मैरून में परिवर्तित हो जाता है, तथा हरे रंग वाले फल हरे से पीले रंग में बदल जाते है । पूर्ण रूप से तैयार एवोकैडो के फल का बीज पीले-सफ़ेद से गहरे भूरे रंग का हो जाता है । कटाई के बाद भी इसके फल नरम होते है, जिन्हे पकने में 5 से 10 दिन का समय लगता है ।

एवोकैडो की पैदावार उन्नत क़िस्मि, खेत प्रबंधन और पेड़ की उम्र पर निर्भर करती है । सामान्य तौर पर इसका एक पेड़ 200 से 500 फलों की पैदावार दे देता है, तथा 10 से 12 वर्ष पुराने वृक्ष से 300 से 400 फल मिल जाते है । एवोकैडो का बाज़ारी भाव गुणवत्ता के अनुसार 200 से 400 रूपए प्रति किलो होता है, जिससे किसान भाई एवोकैडो की फसल से अधिक मात्रा में मुनाफा कमाते है ।